www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

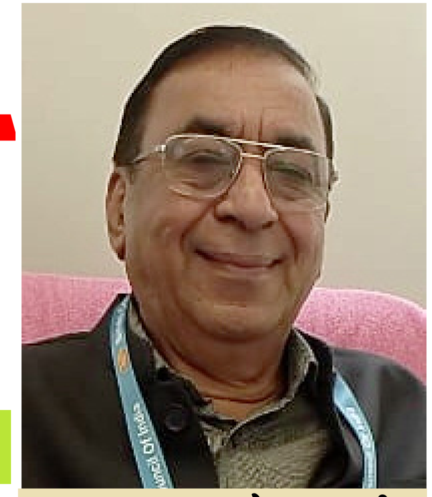

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 256 नई दिल्ली, शनिवार, 11 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया से अब न्यूजीलैंड पहुंचे मोदी

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री मोदी अपने छह दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंच गए। यह 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड यात्रा है। इससे पहले 1986 में राजीव गांधी न्यूजीलैंड के दौरे पर गए थे। प्रधानमंत्री के दौरे की शुरुआत न्यूजीलैंड सरकार के साथ द्विपक्षीय बातचीत से शुरू होगी। इस दौरान दोनों देश एफटीए समझौते को फाइनल करेंगे। साथ ही पीएम एक बिजनेस इवेंट और फिर एक स्पोर्टिंग इवेंट में शामिल होंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला दल चीन पहुंचा

पिथौरागढ़। करीब पांच साल बाद शुरु हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा में शुक्रवार को पहला दल लिपुलेख दर्रा पार कर तिब्बत (चीन) पहुंच गया है। 52 सदस्यीय दल ने सुबह 9 बजे सीमा पार की, जहां चीनी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों के दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें प्रवेश दिया। चीनी सुरक्षा एजेंसी ने लिपुलेख दर्रे पर कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल के श्रद्धालुओं के दस्तावेजों की जांच की।

जगन्नाथ पुरी के राजा का मुर्मु व मोदी को पत्र

भुवनेश्वर। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव ने इस्कॉन की तरफ से अलग तिथियों पर जगन्नाथ रथयात्रा और स्नान यात्रा निकालने पर आपत्ति जताई है। दिव्यसिंह देव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा है और हस्तक्षेप की मांग की है। दिव्यसिंह ने कहा कि इससे प्राचीन परंपरा खत्म हो जाएगी। गजपति महाराज दिव्यसिंह देब श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समितिके अध्यक्ष हैं।

चीन ने रॉकेट बूस्टर को समुद्र में सुरक्षित उतारा

बीजिंग। चीन ने अंतरिक्ष तकनीक में बड़ी सफलता हासिल की है। उसने पहली बार रॉकेट के बूस्टर को समुद्र में सुरक्षित उतारने का सफल परीक्षण किया है। चीन ने शुक्रवार को लॉन्ग मार्च-10 बी रॉकेट को दक्षिणी प्रांत हैनान से लॉन्च किया। उड़ान भरने के करीब 6 मिनट बाद बूस्टर मुख्य रॉकेट से अलग हुआ और नियंत्रित तरीके से समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर उतर गया। वहां लगे विशेष जाल (नेट) ने उसे सुरक्षित पकड़ लिया।

स्वदेश लौटा भारत का राहत व बचाव दल

नई दिल्ली। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के अंतर्गत मानवीय सहायता एवं आपदा राहत मिशन के लिए गया भारतीय दल सफल अभियान के बाद शुक्रवार को स्वदेश लौट आया। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति देल्सी एलोइना रोड्रिगेज गोमेज़ ने भारत द्वारा समय पर की गई सहायता व एकजुटता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद किया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा राम मंदिर चंदा विवाद

राम मंदिर ट्रस्ट में कथित वित्तीय गड़बड़ियों पर 13 को शीर्ष अदालत सुनवाई करेगी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीराम मंदिर के चंदा विवाद की स्वतंत्र जांच के लिए दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कथित वित्तीय गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच की मांग के लिए याचिकाएं दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति दे दी है। यह याचिका चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी.मोहन की बेंच के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। इस बीच ट्रस्ट सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के वीआईपी दर्शन पास आईडी ब्लॉक होने की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि पास पहले की तरह जारी हो रहे हैं। उन्होंने यूपी पुलिस और प्रशासन पर पूरा भरोसा जताया। उधर, एसआईटी की प्रारंभिक जांच में राम मंदिर के दान गिनती कक्ष में गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई है। जांच के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में 27 अप्रैल से 5 जून के बीच करीब 70 संदिग्ध घटनाएं मिलीं, जिनमें कुछ कर्मचारी कपड़ों, जेबों और जूतों में नकदी छिपाते दिखाई दिए। एसआईटी का मानना है कि कथित गबन एक व्यवस्थित और बार-बार होने वाली गतिविधि थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी मामले की सुनवाई

याचिकाओं में सीबीआई जांच की मांग

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायामूर्ति वी. मोहना की पीठ सोमवार को अदालत की कार्यवाही फिर से शुरू होने पर इस मामले से जुड़ी तीन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। तीन याचिकाकर्ताओं में से एक नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने घटना की सीबीआई जांच कराने का अनुरोध किया है।

तीन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी अदालत

अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने दूसरी याचिका दायर की है, जिसमें इसी तरह के अनुरोध किए गए हैं। वहीं, तीसरी याचिका राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने दायर की है। इसमें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच के साथ-साथ ट्रस्ट के पूरे वित्तीय लेन-देन का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ ने एक याचिकाकर्ता से मामले को शीघ्र सुनवाई के लिए बाद की किसी तारीख पर सूचीबद्ध कराने का आग्रह करने को कहा था।

राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 20 कर्मचारियों ने दिया इस्तीफा

लखनऊ। राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती करने वाले 20 कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार श्रीराम मंदिर चढ़ावे में कथित गबन की जांच शुरू होने के बाद कार्य का दबाव बढ़ने और बदली कार्यप्रणाली के चलते कर्मचारियों ने यह फैसला लिया। इस्तीफों के बाद अब गिनती केंद्र में केवल करीब एक दर्जन कर्मचारी ही नियमित रूप से काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही में याचिकाकर्ता ने डाला खलल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की एक पीठ के कक्ष में शुक्रवार को उस समय बेहद अजीबोगरीब स्थिति देखने को मिली, जब व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए एक याचिकाकर्ता ने कथित तौर पर मामले के कागजात न्यायाधीशों की तरफ फेंके और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करके भारी हंगामा किया। यह घटना न्यायाधीश के वी विश्वनाथन और न्यायाधीश आलोक अराधे की पीठ के समक्ष हुई। याचिकाकर्ता प्रबाल प्रताप ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय से उसकी रिट याचिका खारिज हो जाने के बाद उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। यह मामला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 (4) के तहत उसके आवेदन को एक निजी शिकायत में बदल दिए जाने के बाद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा था। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पीठ ने पूरी तरह से संयम बनाए रखा।

राष्ट्रगान व राष्ट्रीय गीत पर नए निर्देश जारी

अब पहले वंदे मातरम् फिर होगा जन-गण-मन

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगान जन-गण-मन और राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को नए निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि नियमों में पहले से तय है कि किन कार्यक्रमों में दोनों को गाना या बजाना जरूरी है। मंत्रालय ने कहा कि एक ही कार्यक्रम में दोनों में से पहले वंदे और फिर जन-गण-मन होगा। जिन राज्यों में राज्य गीत होता है, वहां भी सीक्वेंस का पालन करना होगा। 9 जुलाई को सभी राज्यों और मंत्रालयों को पत्र भेजा गया, जिसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई है। सभी राज्यों से कहा गया है कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत हमेशा उनके असली शब्दों, सही उच्चारण और तय

मंत्रालय ने पांच माह में दूसरी बार जारी किए निर्देश

नियमों के अनुसार ही गाया और बजाया जाए। इसके लिए दोनों की ऑफिशियल कॉपी मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था।

28 जनवरी को पहली बार आदेश आया

बता दें कि इससे पहले 28 जनवरी को भी सरकार ने सभी राज्यों को यही आदेश दिया था। इसमें मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत में राष्ट्रगीत बजाया जाएगा। वंदे मातरम् के समय हर व्यक्ति को खड़ा होना होगा। राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे। इनकी कुल अवधि 3.10 मिनिट है। पहले दो अंतरे गाए जाते थे। सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले वंदे मातरम बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा-ई-20 से पांच फीसदी घट सकती है माइलेज लेकिन स्वच्छ दहन जैसे लाभ अधिक

नई दिल्ली/(हि.स)। ई20 पेट्रोल को लेकर देशभर में हंगामा बरपा है। ई20 यानी 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सवालों के घेरे में है। इसे लेकर उठ रहे सवालों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल रही अफवाहों के बीच केंद्र सरकार का जवाब आया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) के इस्तेमाल से कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) तीन से 5 फीसदी तक कम हो सकती है लेकिन इसके बदले मिलने वाली ऊर्जा सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन और बेहतर इंजन प्रदर्शन जैसे लाभ कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मंत्रालय के अनुसार इसके अलावा ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक क्षमता, तेज दहन, बेहतर पिकअप आदि जैसे लाभ भी इसमें शामिल हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम की आलोचनाओं का जवाब देने के लिए जारी प्रश्नोत्तर दस्तावेज में बताया कि ई20, ई10 या शुद्ध पेट्रोल की तुलना में अधिक स्वच्छ, बेहतर गुणवत्ता वाला और अधिक दक्ष ईंधन है। इसे वर्षों तक वैज्ञानिक परीक्षण, वाहन विनिमार्ताओं के साथ परामर्श और घरेलू ईथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के बाद ही लागू किया गया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस आशंका को खारिज किया कि यह कार्यक्रम जल्दबाजी में लागू किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि इथेनॉल कोई नया ईंधन नहीं है। इथेनॉल का आविष्कार हमने नहीं किया था, जिसे एक सदी से भी पहले, हेनरी फोर्ड ने मॉडल टी को इथेनॉल से चलाने के लिए डिजाइन किया था और ब्राजील एवं अमेरिका समेत दुनिया भर के देशों ने दशकों से इथेनॉल ब्लेंड का इस्तेमाल किया है।

मंत्रालय ने कहा कि उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि भारत का इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम मौजूदा सरकार के समय शुरू नहीं हुआ था। इस पहल का एक लंबा

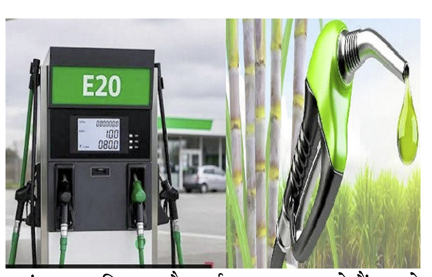

संस्थागत इतिहास और कई अहम पड़ाव रहे हैं। उसने कहा कि भारत की इथेनॉल मिश्रण पहल की शुरूआत 2001 में प्रायोगिक परियोजनाओं से हुई थी और 2006 तक देश के कुछ हिस्सों में पांच फीसदी इथेनॉल मिश्रण लागू कर दिया गया था।

मंत्रालय ने बताया कि 2014 तक पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण लगभग 1.5 फीसदी पर ही था लेकिन 2018 में राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति लागू होने और गन्ने के अलावा अन्य कच्चे माल को भी इसमें शामिल किए जाने के बाद सरकार इथेनॉल उत्पादन में तेजी लाई।

सरकार ने ई-20 पेट्रोल पर दिया हर सवाल का जवाब, कहा-न इंजन खराब होगा, न पुरानी गाड़ियां होंगी बेकार...

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि भारत ने निर्धारित समय से पहले 2022 में ही 10 फीसदी ईथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके बाद इथेनॉल उत्पादन संयंत्रों, भंडारण तथा लॉजिस्टिक्स में निवेश के बाद 2025-26 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष में 20 फीसदी मिश्रण का लक्ष्य भी प्राप्त कर लिया। पुराने वाहनों को लेकर उठी चिंताओं पर मंत्रालय ने कहा कि ई20 को देशभर में लागू करने से पहले इंजन की टिकाऊ क्षमता, ईंधन प्रणाली, विभिन्न सामग्रियों के साथ अनुकूलता, जंग-रोधी क्षमता, वाहन संचालन और उत्सर्जन सहित अनेक पहलुओं पर व्यापक परीक्षण किए गए। मंत्रालय ने कहा कि मारुति सुजुकी और हीरो मोटोकॉर्प सहित वाहन विनिमार्ताओं से मिली प्रतिक्रिया के अनुसार, वास्तविक परिस्थितियों में उपयोग किए गए वाहनों में ई20 के कारण जंग लगने, असामान्य घिसाव या कलपुर्जों के जल्दी खराब होने की कोई शिकायत नहीं मिली है।

मंत्रालय ने पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 जैसे कई प्रकार के ईंधन उपलब्ध कराने की मांग को भी खारिज करते हुए कहा कि पूरे देश में समानांतर आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने से लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ेगी और एक लाख से अधिक खुदरा ईंधन केंद्रों पर वितरण व्यवस्था जटिल हो जाएगी।

.. तो भारत में बनेगा इजराइल की आयरन डोम मिसाइल इंटरसेप्टर

यरुशलम, 10 जुलाई (हि.स.)। दुनियाभर में एयर डिफेंस सिस्टम की मांग बढ़ रही है। इसी क्रम में इजराइल की प्रमुख हथियार निमार्ता कंपनी राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स भारत में आयरन डोम इंटरसेप्टर मिसाइलों के निर्माण की संभावनाओं पर भारतीय रक्षा कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। कंपनी भारत में एक नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित करने की योजना पर विचार कर रही है। द यरुशलम पोस्ट तथा अन्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार फिलहाल राफेल आयरन डोम इंटरसेप्टर का निर्माण उत्तरी इजराइल स्थित अपने संयंत्र में करती है। इसके अलावा कंपनी ने पिछले वर्ष अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन के साथ साझेदारी में अमेरिका में भी एक मिसाइल उत्पादन लाइन शुरू की थी, जहां से अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों की आपूर्ति की जाती है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में उत्पादन शुरू होने से राफेल को वैश्विक बाजार में निर्यात बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने और जरूरत पड़ने पर अन्य उत्पादन केंद्रों को बैकअप देने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह भारत सरकार की मेक इन इंडिया नीति के अनुरूप होगा, जिसके तहत विदेशी रक्षा कंपनियों को स्थानीय स्तर पर निर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

भारत पहले ही इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) के साथ मिलकर विकसित बराक-8 एयर डिफेंस सिस्टम को अपनी थल सेना, नौसेना और वायु सेना में शामिल कर चुका है। हालांकि कम दूरी की वायु रक्षा के लिए भारत अब स्वदेशी प्रणालियों पर भी तेजी से काम कर रहा है।

भारत में प्रोडक्शन से राफेल को दूसरे देशों में बिक्री करने, लागत कम करने, जरूरत पड़ने पर दूसरी प्रोडक्शन लाइनों को अतिरिक्त बैकअप देने और भारतीय प्रशासन के सामने कंपनी की स्थिति मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारतीय प्रशासन विदेशी रक्षा कंपनियों के लिए स्थानीय सेना को अपने उत्पाद बेचने की शर्त के तौर पर न केवल भारत में निर्माण करने, बल्कि वहां से निर्यात करने और इस तरह अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की भी मांग करता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इजराइली रक्षा कंपनी एल्बिट सिस्टम्स भारत में हर्मेस-900 (जिसे वायु सेना में स्टार के नाम से जाना जाता है) और हर्मेस 450 (जिसे ज़िक के नाम से जाना जाता है) ड्रोन का भी निर्माण कर रही है। इन ड्रोन के लिए आवश्यक पुर्जों की आपूर्ति भी भारत से की जा रही है। उसने वायु सेना में हाल ही में शुरू किए गए अतिरिक्त स्टार स्क्वाड्रन के लिए वहां से पुर्जे सप्लाई किए हैं।

फिल्म समीक्षा : धमाल-4

फिल्म समीक्षक : रेहाना परवीन

फिल्म धमाल-4 शुक्रवार 10 जुलाई 2026 को विशेष प्रेस शो डिलाइट डायमंड, दिल्ली में मुझे देखने का अवसर मिला। फिल्म धमाल-4 अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर, इत्यादि कलाकार हैं विशेष उपस्थिति में सतीश कौशिक को फिल्म में CGI और अकतकनीक के माध्यम से श्रद्धांजलि स्वरूप उनके लोकप्रिय किरदार में दिखाया गया है।

जैकी श्रॉफ का भी विशेष कैमियो है। फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है उन्होंने फिल्म धमाल फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों का भी निर्देशन किया था। इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से वअ 13+ प्रमाण पत्र दिया गया है। इसका अर्थ है कि 16 वर्ष से कम आयु के दर्शकों को अभिभावकों की निगरानी में फिल्म देखने की सलाह दी जाती है। फिल्म की अवधि लगभग 2 घंटे 23 मिनट (143 मिनट) है। फिल्म धमाल-4 को CBFC ने बिना किसी दृश्य (सीन) को हटाए प्रमाणित किया लेकिन कुछ संवादों और कुछ हाथ के इशारों में मामूली बदलाव करने के निर्देश दिया था। करीब दो दशक से दर्शकों को गुदगुदाती आ रही धमाल फ्रेंचाइजी अपनी चौथी किस्त धमाल-4 के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट आई है। निर्देशक इंद्र कुमार इस बार भी दर्शकों को हंसी, रोमांच और पारिवारिक मनोरंजन का भरपूर पैकेज देने में सफल दिखाई देते हैं। फिल्म 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और शुरूआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। फिल्म साफ सुथरी है परिवार के साथ देखा जा सकता है परन्तु इस फिल्म को देखने के लिए अपनी दिमाग को आराम करने दें क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है यह मत सोचें बस फिल्म देखने पर फोकस रखें और हस्ते रहें।

फिल्म की कहानी एक रहस्यमयी खजाने की खोज के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे किरदार इस खजाने तक पहुंचने की कोशिश करते हैं वैसे-वैसे हास्यास्पद परिस्थितियां, गलतफहमियां

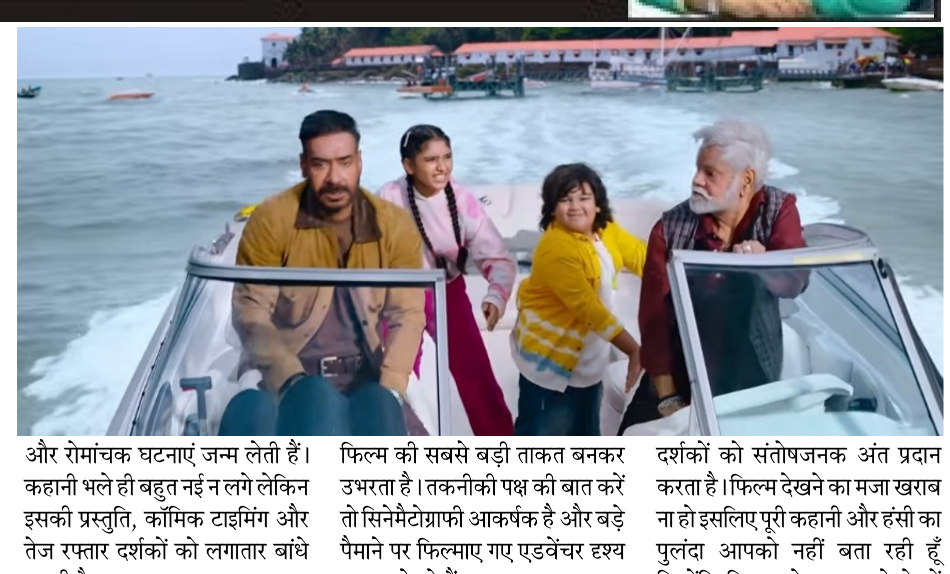

और रोमांचक घटनाएं जन्म लेती हैं। कहानी भले ही बहुत नई न लगे लेकिन इसकी प्रस्तुति, कॉमिक टाइमिंग और तेज रफ्तार दर्शकों को लगातार बांधे रखती है।

फिल्म में अजय देवगन ने अपने संयमित हास्य से प्रभावित किया है जबकि अरशद वारसी, रितेश देशमुख और जावेद जाफरी अपनी पुरानी लय में नजर आते हैं। संजय मिश्रा और रवि किशन की मौजूदगी फिल्म में अतिरिक्त हास्य का तड़का लगाती है। पूरी स्टारकास्ट के बीच शानदार तालमेल फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरता है। तकनीकी पक्ष की बात करें तो सिनेमैटोग्राफी आकर्षक है और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए एडवेंचर दृश्य प्रभाव छोड़ते हैं।

संगीत हल्का-फुल्का और मनोरंजक है जबकि पैसा लाओ गीत पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। फिल्म का पहला भाग लगातार हंसाता है हालांकि दूसरे भाग में कुछ दृश्य थोड़े लंबे महसूस होते हैं। इसके बावजूद क्लाइमैक्स दोबारा फिल्म को गति देता है और दर्शकों को संतोषजनक अंत प्रदान करता है। फिल्म देखने का मजा खराब ना हो इसलिए पूरी कहानी और हंसी का पुलंदा आपको नहीं बता रही हूँ कियोंकि फिल्म को आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ सिनेमाघरों में जाकर बड़े पर्दे पर देखने का अलग मजा आएगा। मैं इस फिल्म को पांच में से साढ़े तीन स्टार देती हूँ और जो दर्शक बगैर सोचे कॉमेडी फिल्म देखकर लोटपोट होने वाली फिल्म को पसंद करते हैं उनके लिए पांच में से चार स्टार देती हूँ।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाट में 12 जुलाई से शुरू होगा वीव द फ्यूचर 4.0

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली हाट में 12 से 17 जुलाई 2026 तक वीव द फ्यूचर 4.0-अपसाइक्लिंग एडिशन का आयोजन होगा। इसका उद्घाटन केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह करेंगे। यह अनूठी पहल केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय कर रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वस्त्र और हथकरघा क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में कारीगर, बुनकर, डिजाइनर, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान और सिविल सोसाइटी संगठन एक साथ आकर जिम्मेदार उत्पादन और उपभोग पर चर्चा करेंगे। इस चौथे संस्करण में 100 से अधिक ब्रांड, स्वयं सहायता समूह, मरम्मत विशेषज्ञ और सामग्री नवप्रवर्तक शामिल हो रहे हैं। ये सभी अपसाइक्लिंग, रिसाइक्लिंग और री-यूज (पुनः उपयोग) के आधुनिक तरीकों का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन समारोह में वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव और भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के मिनिस्टर काउंसलर थॉमस मैकलेनाघन भी मौजूद रहेंगे। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 70.73 लाख टन कपड़ा कचरा (वस्त्र अपशिष्ट) पैदा होता है। इसमें 29.73 लाख टन पूर्व-उपभोक्ता अपशिष्ट (उत्पादन के दौरान निकलने वाला कचरा) है। 41 लाख टन पश्चात-उपभोक्ता अपशिष्ट (इस्तेमाल के बाद फेंके जाने वाले कपड़े) शामिल है। इस कार्यक्रम से यह पता चलेगा कि कैसे पारंपरिक शिल्प कौशल और आधुनिक नवाचार के जरिए इस कचरे को आर्थिक और पर्यावरणीय मूल्य में बदला जा सकता है, जिससे आने वाले समय में हरित रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस कार्यक्रम के दौरान मंत्रालय एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता व्हाट इज इट मेड ऑफ? वस्त्र अपशिष्ट नवाचार चुनौती का शुभारंभ करेगा। बढ़ते कपड़ा कचरे से निपटने के लिए व्यावहारिक और नए समाधान खोजना। देश भर के छात्र, कारीगर, बुनकर, डिजाइनर, शोधकर्ता और आम नागरिक (आयु वर्ग 16-45 वर्ष) इसमें हिस्सा ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी 20 जुलाई 2026 तक इस चुनौती के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकते हैं।

दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में ब्रैकीथेरेपी सेवा का सफल शुभारंभ

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए ब्रैकीथेरेपी सेवाओं का सफल शुभारंभ किया है। यह सुविधा कैंसर रोगियों को अत्याधुनिक, सटीक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान में गुरुवार को पहला ब्रैकीथेरेपी सफलतापूर्वक संपन्न किया गया, जिसके साथ इस सेवा की शुरूआत हुई। सफल नैदानिक संचालन के बाद शुक्रवार से इस सेवा की औपचारिक घोषणा की गई है। इस अवसर पर संस्थान की लिंक ऑफिसर टू डायरेक्टर डॉ सविता अरोरा ने कहा कि ब्रैकीथेरेपी केस का सफल निष्पादन हमारे संस्थान के लिए एक प्रेरक उपलब्धि है। इस सेवा के प्रारंभ होने से कैंसर रोगियों को सुरक्षित एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध होगा तथा उन्हें समग्र कैंसर देखभाल एक ही स्थान पर प्राप्त होगी। क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख (एचओडी) डॉ. प्रज्ञा शुक्ला ने कहा, ब्रैकीथेरेपी आधुनिक रेडिएशन ऑन्कोलॉजी का एक अभिन्न हिस्सा है। डीएससीआई में यह सुविधा दोबारा उपलब्ध होने से अब कई मरीजों को अत्यंत सटीक, वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित उपचार यहीं मिल सकेगा और उन्हें इलाज के लिए अन्य केंद्रों में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह सेवा अनुभवी रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल फिजिसिस्ट, रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य विशेषज्ञों की समर्पित टीम द्वारा संचालित की जाएगी। डीएससीआई का उद्देश्य प्रत्येक रोगी को सुरक्षित, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण कैंसर उपचार उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में 23 जून को डेंटल ओपीडी और 18 जून को दूसरी ओटी भी शुरू की गई है ताकि मरीजों में ज्यादातर सुविधायें संस्थान के अंदर ही मिल सके। उल्लेखनीय है कि ब्रैकीथेरेपी एक रेडिएशन थेरेपी तकनीक है, जिसमें विकिरण स्रोत को ट्यूमर के भीतर अथवा उसके अत्यंत निकट स्थापित किया जाता है। इससे कैंसरग्रस्त ऊतकों (टिशू) पर अधिक प्रभावी रेडिएशन दिया जा सकता है, जबकि आसपास के स्वस्थ टिशू को न्यूनतम क्षति पहुंचती है। यह उपचार विशेष रूप से गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल), एंडोमेट्रियल, और अन्य चयनित कैंसरों के उपचार में अत्यंत प्रभावी है।

नकली सोना गिरवी रख किया घोटाला, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली में गोल्ड लोन के नाम पर करोड़ों रुपये की सुनियोजित धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसने नकली सोने के आभूषण, फर्जी केवाईसी दस्तावेज और बनावटी पहचान के सहारे 3.81 करोड़ रुपये से अधिक का गोल्ड लोन हासिल किया। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने साई फिनकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड में गोल्ड अप्रेजर के पद पर कार्यरत पंकज कुमार को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपित और उसके साथियों ने 683 फर्जी गोल्ड लोन खाते तैयार कर कंपनी को करोड़ों रुपये का चूना लगाया। ईओडब्ल्यू के पुलिस उपायुक्त अमित वर्मा ने शुक्रवार को बताया कि यह पूरा फजीर्वाड़ा वर्ष 2022 से 2025 के बीच लगातार चलता रहा। मामले का खुलासा तब हुआ, जब कंपनी ने अपने स्तर पर आंतरिक ऑडिट कराया। ऑडिट के दौरान न केवल सैकड़ों संदिग्ध गोल्ड लोन खातों का पता चला, बल्कि कंपनी के पास गिरवी रखे गए करीब 14.11 लाख रुपये मूल्य के असली सोने के नौ पैकेट भी गायब मिले। इसके बाद कंपनी ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से शिकायत की। शिकायत के आधार पर ईओडब्ल्यू थाने में भारतीय दंड संहिता की आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने कंपनी के लोन रिकॉर्ड, केवाईसी दस्तावेज, गोल्ड अप्रेजल रिपोर्ट, ऑडिट रिपोर्ट, बैंक खातों का विवरण और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर उनकी बारीकी से जांच की। दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड के विश्लेषण में यह स्पष्ट हुआ कि 683 गोल्ड लोन खाते फर्जी तरीके से खोले गए थे, जिनके लिए नकली या कृत्रिम सोने के आभूषणों को असली बताकर स्वीकार किया गया था।

इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी के 16 पार्षद का भारतीय जनता पार्टी में विलय, निगम में भाजपा के हुए 139 पार्षद

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा एवं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन कर मुकेश गोयल सहित सभी 16 पार्षदों की उपस्थिति में इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी के भारतीय जनता पार्टी में विलय की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी (आआपा) से अलग होकर 16 निगम पार्षदों ने मुकेश गोयल के नेतृत्व में इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी का गठन किया था और गुरुवार को मुकेश गोयल ने इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी के भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निवेदन दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा एवं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के समक्ष रखा।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आज पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि इंद्रपस्थ विकास पार्टी के शामिल होने से अब दिल्ली के 16 निगम वार्डों के लगभग 11 से 12 लाख लोग भाजपा सरकार के चौमुखी विकास से सीधा जुड़ेंगे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि मुकेश गोयल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के 16 नगर निगम पार्षदों ने एक अलग नई इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी का गठन किया था। उन्होंने इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी का भाजपा में विलय इनके 16 पार्षदों की अपने वार्ड की जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में रेखा गुप्ता सरकार के चौमुखी विकास से जोड़ने की इच्छा से प्रेरित है और इन सभी पार्षदों का इनसे जुड़े कार्यकताओं का भाजपा परिवार में स्वागत।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार हुआ है जब कोई भी निगम पार्षद चाहे किसी भी पार्टी का हो, दिल्ली सरकार ने उसे एक करोड़ रुपये फंड दिए हैं और आज उसी का नतीजा है कि दिल्ली ने बड़े खुशहाल तरीके से इस बार के मानसून का स्वागत किया है। बारिश लगातार होने के बावजूद ना कही पानी का जमाव देखने को मिला और ना ही कही ट्राफिक बाधित हुई। भाजपा सरकार ने दिखाया कि दिल्ली में बेहतर काम किए जा सकते हैं और जो सरकारें पिछली 27 सालों से बहाने बनाती रही, उसको भी यह एक करारा जवाब है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन्द्रप्रस्थ विकास पार्टी के सदस्यों एवं पार्षदों के भाजपा में विलय करने के निर्णय का स्वागत किया और मुकेश गोयल के साथ भाजपा में शामिल हुए पार्षदों को उनके वार्ड के लोगों को आश्वस्त किया की अब उन्हे दिल्ली में विकास का पूरा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सभी पार्षदों एवं उनके साथ भाजपा में आये सभी कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि भाजपा परिवार में उनको पूरा सम्मान मिलेगा तथा कार्य करने का पूरा अवसर मिलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि यही वह समय है जब दिल्ली को सुधारा जा सकता है क्योंकि केन्द्र में भाजपा सरकार है और मोदी सरकार ने दिल्ली को सुधारने का प्रयास पहले भी किया लेकिन पहले की सरकारों में काम करने की लालसा नहीं थी और आज जब भाजपा परिवार लगातार बड़ा होता जा रहा है दिल्ली का विकास और तेजी से होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि सत्ता सुख भोगने का माध्यम नहीं है सेवा का माध्यम है इसलिए हम वर्षों से उपेक्षित दिल्ली की जनता के आशाओं को पूरा करने का काम करेंगे।

इस मौके पर मुकेश गोयल ने कहा कि दिल्ली में नगर निगम में 2023 में जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तब मुझे नेता सदन बनाया गया था लेकिन वह कार्यकाल हम लोगों के लिए काला दिन की तरह था क्योंकि कोई भी विकास का काम नहीं हुआ केवल बयानबाजी होती थी। उन्होंने कहा कि सड़क और जमीन पर कोई काम नहीं हुआ, किसी एक पार्षद को निगम पार्षद का वार्षिक बजट नहीं मिला लेकिन रेखा गुप्ता सरकार बनी तो सभी को बजट मिलने लगा, जब हमने 16 निगम पार्षदों के साथ एक अलग टीम बनाई तो भाजपा का सहयोग हमेशा मिला और इसीलिए आज यह कदम उठाया है और सर्वसम्मति से बिना शर्त भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही, दिल्ली नगर निगम में नेता सदन जयभगवान यादव, दिल्ली भाजपा के महामंत्री विष्णु मित्तल की उपस्थित रहें।

भाजपा में शामिल होने वाले पार्षदों के नामः आदर्श नगर से मुकेश गोयल, बांकनेर से दिनेश कुमार, रोहिणी-बी से सुमन अनिल राणा, कराला-रानी खेड़ा से मनीषा जसबीर, सुल्तानपुरी से बॉबी, सदर बाजार से ऊषा शर्मा, बलजीत नगर से रुणाक्षी शर्मा, हरि नगर से राजेश के. लाडी, विकासपुरी से साहिब कुमार, हस्तसाल से राखी यादव, हौज खास से कमल भारद्वाज, मालवीय नगर से लीना कुमार, वसंत विहार से हिमानी जैन, मोलड़बंद से हेमचंद गोयल, मयूर विहार फेस 2 से देवेंद्र कुमार और विकास नगर से अशोक पांडेय।

खिलाड़ियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए सफदरजंग अस्पताल व एसएआई के बीच समझौता

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय खेल चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से सफदरजंग अस्पताल के स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर (एसआईसी) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान खेल चोटों की रोकथाम, उपचार, पुनर्वास, खेल विज्ञान, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे।

समझौते पर हस्ताक्षर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल विभाग के सचिव हरि रंजन राव की उपस्थिति में हुए। इस साझेदारी का उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों और एसएआई से जुड़े सहयोगी स्टाफ के लिए एक समन्वित और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा तंत्र विकसित करना है। समझौते के तहत स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर की विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं और एसएआई के व्यापक खिलाड़ी नेटवर्क को एक साथ जोड़कर खिलाड़ियों को खेल चोटों की रोकथाम, समय पर जांच, आधुनिक उपचार, पुनर्वास और खेल विज्ञान आधारित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा दोनों संस्थान खेल चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में भी संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप उपचार प्रोटोकॉल विकसित करने, चोटों की रोकथाम की नई रणनीतियां तैयार करने और साक्ष्य आधारित खेल चिकित्सा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि यह समझौता स्वास्थ्य और खेल क्षेत्र के बीच दीर्घकालिक साझेदारी की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय हरसंभव सहयोग देगा। उन्होंने देशभर में खेल चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, स्पोर्ट्स मेडिसिन में स्नातकोत्तर शिक्षा को मजबूत करने तथा नए एम्स संस्थानों में भी खेल चिकित्सा सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप अनुसंधान को भी प्राथमिकता दी जाएगी। खेल विभाग के सचिव हरि रंजन राव ने कहा कि खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय खिलाड़ियों की शारीरिक संरचना और आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी अनुसंधान को बढ़ावा देना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई उपचार प्रोटोकॉल और वैज्ञानिक मानक पश्चिमी देशों के आंकड़ों पर आधारित हैं, जो भारतीय खिलाड़ियों के लिए पूरी तरह उपयुक्त नहीं हो सकते। इसलिए भारत-केंद्रित वैज्ञानिक शोध और उपचार प्रणाली विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्कृष्टता केंद्रों को निकटवर्ती मेडिकल कॉलेजों से जोड़ा जाए, ताकि खिलाड़ियों को विशेषज्ञ चिकित्सा सहायता, अनुसंधान और प्रशिक्षण का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नितिन गडकरी से मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अपील की

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर दक्षिण दिल्ली के मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसके विकास का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि लगभग 8.8 किलोमीटर लंबा मांडी रोड दिल्ली-एनसीआर का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सड़क गलियारा है। यह छतरपुर मेट्रो स्टेशन के निकट महरौली-गुरुग्राम रोड (एनएच-148ए) को दिल्ली-हरियाणा सीमा पर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ता है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पड़ोसी आर्थिक केंद्रों गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है तथा अंतर-राज्यीय यातायात के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटीटीआईपीईसी) की गवर्निंग बॉडी ने 27 सितंबर 2023 को आयोजित 68वीं बैठक में मांडी रोड के महत्व को मान्यता देते हुए इसके चौड़ीकरण और व्यापक विकास के प्रस्ताव का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि मांडी रोड के रणनीतिक महत्व, मौजूदा और भावी यातायात मांग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-148ए के साथ इसके सीधे संपर्क को देखते हुए इस सड़क को एनएचएआई के दायरे में लाने पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर इसके विकास की जिम्मेदारी एनएचएआई को सौंपी जाए ताकि इसके विकास के लिए एकीकृत योजना बनाई जा सके, समान इंजीनियरिंग मानकों को अपनाया जा सके और इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर का समयबद्ध उन्नयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों को बेहतर और अधिक सुगम यातायात सुविधा मिलेगी। साथ ही दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

नकली दवाओं के अंतरराज्यीय रैकेट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण और देश के विभिन्न राज्यों में उनकी सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। कई महीनों से फरार चल रहे इस मास्टरमाइंड को मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया गया। आरोपित की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में पकड़े गए आरोपितों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोहम्मद अकदस सिद्दीकी (28) के रूप में हुई है। वह मुजफ्फरनगर का रहने वाला है और दिल्ली स्थित जामिया मिल्लिया इस्लामिया से बीबीए कर चुका है। जांच में सामने आया कि वही इस पूरे सिंडिकेट का मुख्य साजिशकर्ता और संचालक था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शुक्रवार को बताया कि एक अप्रैल को नकली दवाएं बनाने वाली फैक्टरी पर छापा मारकर बड़े रैकेट का खुलासा किया था। कार्रवाई के दौरान कई आरोपित गिरफ्तार किए गए, लेकिन मोहम्मद अकदस मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) भी जारी कराया था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने तकनीकी निगरानी, स्थानीय मुखबिरों और लगातार फील्ड ऑपरेशन के जरिए उसकी लोकेशन ट्रैक की। आखिरकार उसे मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार इस मामले में पहले ही नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और लखनऊ के दवा कारोबारी, सप्लायर, फर्जी जीएसटी फर्म उपलब्ध कराने वाले लोग, बैंक खाताधारक और अन्य सहयोगी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह कई राज्यों में फैला हुआ था और सुनियोजित तरीके से नकली दवाओं का कारोबार चला रहा था।

जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह ने अत्याधुनिक तरीके से नकली दवाएं बनाने की फैक्ट्री स्थापित कर रखी थी। यहां प्रसिद्ध दवा कंपनियों के नाम पर नकली दवाएं तैयार की जाती थीं। इसके लिए फर्जी पैकेजिंग, नकली लेबल, जाली ट्रेडमार्क, डाई, पंच सेट और असली जैसी दिखने वाली प्रिंटिंग सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, ताकि उपभोक्ता और दुकानदार आसानी से धोखा खा जाएं। गिरोह जिन प्रमुख ब्रांडों की नकली दवाएं तैयार करता था, उनमें एबॉट की स्टेमेटिल एमडी, इंटास की गैबापिन-एनटी, जोई-1, जोई एम-1 और जोई एम-2, टोरेंट की शेलकैल तथा जीएसके की सीसीएम जैसी दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल उल्टी, चक्कर, नसों के दर्द, डायबिटिक न्यूरोपैथी, विटामिन-बी12 की कमी, कैल्शियम की कमी और हड्डियों से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज में किया जाता है।

पुलिस के अनुसार आरोपित बेहद कम लागत में नकली दवाएं तैयार करते थे और उन्हें असली ब्रांडेड दवाओं के रूप में बाजार में बेचते थे।

बिजवासन देवी इलेक्ट्रिक बस सेवा का शुभारंभ

नई दिल्ली, 10 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) ने शुक्रवार को बिजवासन, भरथल, बामनौली, समालका, कापासहेड़ा सहित पूरे क्षेत्र के निवासियों की माहों पुरानी मांग को पूरा करते हुए देवी इलेक्ट्रिक बस सेवा का शुभारंभ कर दिया है। शुभारंभ समारोह द्वारका सेक्टर-2 डीटीसी के डिपो प्रबंधक (मैनेजर) आशुतोष और गांव के सम्मानित बुजुर्गों द्वारा नारियल फोड़कर बस रूट का बिजवासन गांव मै औपचारिक शुभारंभ किया गया। समारोह की अध्यक्षता चौधरी चंदगी राम जी ने की। समारोह में भगवान सिंह राणा, भागीरथ राणा, सूरजभान राणा, हरपाल सिंह राणा, रण सिंह राणा, विपिन ग्रेवाल एवं ताराचंद सहित अन्य गांववासियों ने आशुतोष को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया और क्षेत्रवासियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डीटीसी डिपो मैनेजर आशुतोष ने कहा कि बिजवासन विकास समिति और पूर्व उप-महापौर प्रवीण राणा द्वारा उठाई गई यह मांग पूरी तरह जायज थी। द्वारका उपनगरी से बिजवासन क्षेत्र की अब सीधी कनेक्टिविटी हो गई है। पहले इस क्षेत्र के लोगों को स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों, अस्पताल, कोर्ट, एयरपोर्ट तथा मेट्रो स्टेशनों तक पहुंचने के लिए दो-दो बसें बदलनी पड़ती थीं।

भविष्यफल

मेष- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क- किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या- संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर- व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें, कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुम्भ- जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-2-4-6

मीन- मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में पीएम मोदी पहुंचे न्यूजीलैंड

मोदी 40 साल में न्यूजीलैंड जाने वाले पहले भारतीय पीएम बने

पीएम मोदी का स्वागत करने न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन खुद एयरपोर्ट पर पहुंचे

● ऑकलैंड / (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के आखिरी चरण में शुक्रवार को न्यूजीलैंड पहुँचे। इस दौरान वह अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन के साथ वार्ता करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। यह 40 वर्षों में किसी भारतीय पीएम की न्यूजीलैंड की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर लक्सन ने मोदी का स्वागत किया और दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि कुछ देर पहले ऑकलैंड पहुँचा। हवाई अड्डे पर स्वागत के लिए पीएम लक्सन का आभारी हूँ। उन्होंने कहा कि यह यात्रा ऐतिहासिक है, क्योंकि चार दशकों में किसी प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की यह पहली यात्रा है। मैं प्रधानमंत्री लक्सन के साथ वार्ता करने और भारत-न्यूजीलैंड मित्रता के सभी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूँ। मैं शनिवार को ऑकलैंड में एक सामुदायिक कार्यक्रम को भी

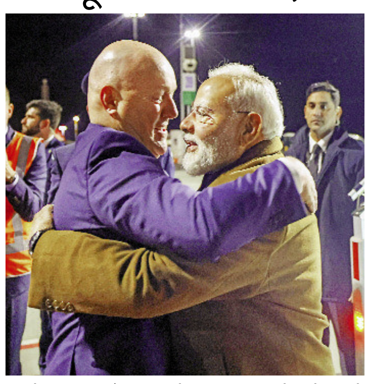

संबोधित करूँगा। विदेश मंत्रालय ने पोस्ट में कहा कि यह ऐतिहासिक यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी और कई क्षेत्रों - खासकर व्यापार, रक्षा, खेल, संस्कृति, शिक्षा तथा दोनों देशों की जनता के स्तर पर आपसी संबंधों में सहयोग के नए रास्ते खोलेगी। इसे 'ऑकलैंड में खास स्वागत' करार देते हुए विदेश मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के अवसर पर मशहूर स्काई टावर को रोशन किया गया, जो 'हमारे दोनों देशों के बीच मित्रता का प्रतीक है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच होना है फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

- **फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की पुष्टि-** भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। न्यूजीलैंड के पीएम ने इस कारोबारी समझौते को ऐतिहासिक बताया है।
- **टैरिफ में छूट-** पीएम लक्सन की तरफ से की गई घोषणा के अनुसा समझौते के तहत भारत को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं की व्यापक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी जिसमें पहले ही दिन से न्यूजीलैंड के 57 फीसदी निर्यात शुल्क-मुक्त होंगे।
- **रणनीतिक साझेदारी-** रक्षा, शिक्षा और तकनीकी आदान-प्रदान को गहरा करने पर बात होगी। भारत न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।

ट्रेनिंग के दौरान चीन के दो सैन्य पायलट की मौत

बीजिंग, आरएनएन। चीन में पिछले महीने प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक वरिष्ठ कमांडर सहित दो सैन्य पायलटों की मौत हो गई। खबरों के माध्यम से शुक्रवार को यह जानकारी मिली। चीन आमतौर पर सैन्य कर्मियों की मौत की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता और उसने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया है। हांगकांग के समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के हवाले से कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों पायलटों की मौत एक ही दुर्घटना में हुई या अलग-अलग घटनाओं में। रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में शामिल फांग मिंग (38) वरिष्ठ कर्नल थे और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दक्षिणी थिएटर कमान की नौसेना विमानन इकाई में कमांडर के रूप में तैनात थे। शी शाओयोंग (25) की भी 10 जून को मृत्यु हो गई। वह भी दक्षिणी थिएटर कमान में तैनात थे और पीएलए नौसेना में फर्स्ट लेफ्टिनेंट थे। यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों पायलट एक ही विमान में सवार थे या एक ही प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा थे।

कोम शहर में पिता अली खामेनई की प्रार्थना सभा की करेंगे अगुवाई

दुनिया के सामने आएंगे ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनई

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा पहली बार दुनिया के सामने आएंगे। वो ऐसे वक्त में सबके सामने आ रहे हैं जब उनके पिता और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया जा चुका है। ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि मोजतबा खामेनेई पिता अली खामेनेई की प्रार्थना सभा में पहली बार सार्वजनिक तौर पर नजर आ सकते हैं।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक मोजतबा खामेनेई आज (शनिवार को) पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आ सकते हैं। दावा है कि मोजतबा कोम शहर की हजरत मासूमेह दरगाह में अपने पिता अली खामेनेई की शोकसभा की अगुवाई करेंगे। अगर मोजतबा वहां दिखे तो वो युद्ध के बाद पहली बार दिखेंगे। क्योंकि 28 फरवरी के हमले में खामेनेई मारे गए और कई घायल हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोज्तबा भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। इसके बावजूद मार्च में मोजतबा को नया सुप्रीम लीडर चुना गया। इसके बाद सुरक्षा कारणों से वो सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहे हैं।

जनाजे में भी नहीं आए थे मोजतबा

खामेनेई के 3 बेटे पिता के अंतिम संस्कार में आए थे। खामेनेई को उनकी मौत के 131 बाद गुरुवार को मशहद में दफनाया था। आधुनिक इतिहास में इतने लंबे वक्त बाद दफनाये वो पहले नेता हैं। ये भी पहली बार है जब किसी सुप्रीम लीडर का जनाजा 2 देशों में गया। ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि खामेनेई की अंतिम यात्रा में 4.3 करोड़ लोग पहुंचे थे। ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में 4.1 से 4.3 करोड़ लोग शामिल हुए। प्रेस टीवी ने इसे दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा अंतिम यात्रा जुलूस बताया है।

ईरान से वार्ता को अमेरिका तैयार

वाशिंगटन, आरएनएन। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यूएस और ईरान के बीच वार्ता का रास्ता पूर्णत बंद नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने परमाणु और दूसरे विवादित मुद्दों पर चर्चा जारी रखने की अपील की है, जिसे यूएस ने स्वीकार कर लिया है। हालांकि ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों देशों के बीच लागू सीजफायर अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान ने वार्ता बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई है, लेकिन यूएस ने उसे साफ बता दिया है कि युद्धविराम अब खत्म हो गया है। वहीं ट्रम्प ने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की।

उपराष्ट्रपति ने प्राचीन धरोहरों की वापसी पर जताई खुशी

नई दिल्ली, आरएनएन। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु की अमूल्य प्राचीन धरोहरों की ऑस्ट्रेलिया से वापसी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उसके वास्तविक स्थान पर लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। केंद्र के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से पुरावस्तुओं की स्वदेश वापसी में उल्लेखनीय तेजी आई है और अब तक 600 से अधिक प्राचीन कलाकृतियां भारत लौट चुकी हैं।

600 प्राचीन कलाकृतियां भारत लौट चुकी

मैसूरु दशहरा में पहली बार पारंपरिक भैंसा दौड़ कंबाला

● बेंगलुरु / (एजेंसी)

कर्नाटक सरकार उत्सवों का कर्षण बढ़ाने और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए वर्ष 2026 के दशहरा उत्सव के हिस्से के रूप में पहली बार मैसूरु में तटीय क्षेत्रों की पारंपरिक भैंसा दौड़ कंबाला का आयोजन करेगी।

विधान सभा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय दशहरा समीक्षा बैठक में 18 और 19 अक्टूबर को दो दिवसीय कंबाला कार्यक्रम आयोजित करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में इस आयोजन के लिए एक अलग बजट आवंटित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मैसूरु दशहरा कार्यक्रम में इसे शामिल करने को देश-विदेश से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ-साथ एक साझा मंच पर राज्य की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रस्तुत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

स्पेन के जंगल में भीषण आग, 12 लोगों की मौत, 6 की हालत गंभीर

● मैड्रिड / (एजेंसी)

स्पेन के अल्मेरिया प्रांत के लॉस गालार्डोस के जंगल में भीषण आग लग गई। दक्षिणी इलाके अंडालूसिया में आग ने तबाही मचा दी है। हादसे में कम से कम 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए हैं। इसमें 23 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इस साल मई और जून में पड़ी भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण वहां की जमीन पूरी तरह सूख चुकी है। इससे आग का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

पड़ोसी इलाके को भी अपनी चपेट में ले लिया: यह इस इलाके के इतिहास की सबसे खतरनाक और जानलेवा आग है। इसमें कई लोग अब भी लापता हैं। यह आग गुरुवार दोपहर को अल्मेरिया प्रांत के लोस ग्यार्डोस में एक हाईवे के पास लगी थी। तेज हवाओं ने आग को इतनी तेजी से फैलाया कि इसने देखते ही देखते पड़ोसी इलाके को भी अपनी चपेट में ले लिया। दर्दनाक बात यह रही कि कुछ पीड़ित उस वक्त अपनी गाड़ियों में ही फंस गए जब वे जान बचाकर भागने की कोशिश कर रहे थे। इस वक्त वहां हालात बेहद गंभीर हैं।

300 से अधिक बचावकर्मी तैनात

आग बुझाने के लिए स्पेन की सैन्य आपातकालीन इकाई के 150 विशेषज्ञों सहित 300 से अधिक बचावकर्मी लगातार जूझ रहे हैं। भारी धुएं के कारण प्रशासन को दो बड़े हाईवे बंद करने पड़े हैं। हालांकि आग लगने की असली वजह की जांच चल रही है। लेकिन स्थानीय मीडिया का कहना है कि एक टूटकर गिरे बिजली के तार से सूखी झाड़ियों में यह आग भड़की होगी।

एच-1बी, ग्रीन कार्ड और छात्र वीजा के नियम होंगे सख्त

सीधा असर भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा

● वाशिंगटन / (एजेंसी)

यूएस में नौकरी और पढ़ाई का सपना अब मुश्किल हो जाएगा। ट्रम्प प्रशासन अगस्त से एच-1बी, ग्रीन कार्ड व छात्र वीजा के नियमों को सख्त करने जा रहा है, जिसका सीधा असर भारतीयों पर पड़ेगा। यूएस आव्रजन व्यवस्था में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है, जिसका सीधा असर वहां काम करने वाले और पढ़ाई के लिए जाने वाले भारतीयों पर पड़ने वाला है।

ट्रम्प प्रशासन ऐसे नए और कड़े नियमों को लागू करने की तैयारी में है जो विदेशी पेशेवरों, छात्रों और कंपनियों के लिए अमेरिकी वीजा प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा जटिल बना देंगे। आगामी अगस्त महीने से लागू होने वाले ये संभावित बदलाव न केवल प्रशासनिक जांच-पड़ताल को बढ़ाएंगे, बल्कि

नियोक्ताओं के लिए खर्च भी काफी बढ़ा देंगे, जिससे भारतीय पेशेवरों के बीच अनिश्चितता का माहौल गहरा सकता है।

यूएस गृह सुरक्षा विभाग, श्रम विभाग और राज्य विभाग द्वारा हाल ही में जारी किए गए नियामक एजेंडे से प्रशासन की इन भावी योजनाओं का साफ संकेत मिलता है। हालांकि ये प्रस्ताव अभी पूरी तरह कानून नहीं बने हैं, लेकिन इनसे स्पष्ट है कि सरकार आने वाले समय में पात्रता मानदंडों को बहुत कड़ा करने, कागजी कार्रवाई बढ़ाने और विदेशी कामगारों को रखने वाली कंपनियों पर निगरानी सख्त करने जा रही है।

ट्रम्प ने नोबेल अवॉर्ड पर फिर जताया दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष समेत आठ लड़ाइयों को सुलझाया

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

यूएस राष्ट्रपति डोनालड ट्रम्प ने एक बार फिर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए अपना दावा ठोका है। उन्होंने कहा कि नोबेल शांति अवार्ड के लिए किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में वह ज्यादा हकदार हैं। यह भी ध्यान रखने की बात है कि ट्रम्प ने ईरान के साथ पीस डील तोड़ दी है और यूएस वहां सतत हमला कर रहा है। एक बार फिर नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की तारीख करीब आ रही है।

ट्रम्प ने एयर फोर्स वन (यूएस राष्ट्रपति के विशेष विमान) में बातचीत में कहा कि कि भारत और पाक के बीच हुए संघर्ष समेत 8 लड़ाइयों को सुलझाने की वजह से वह नोबेल शांति पुरस्कार के लिए किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में ज्यादा हकदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले साल मई में भारत-पाक संघर्ष में 11 लड़ाकू विमान नष्ट हो गए थे। ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट नीति, बहुपक्षीय

संधियों (जैसे पेरिस जलवायु समझौता या ईरान न्यूक्लियर डील) से पीछे हटना और उनका आक्रामक लहजा नोबेल समिति के पारंपरिक शांति के मानदंडों के खिलाफ माना जाता है। आलोचकों का यह भी तर्क है कि उनके द्वारा कराए गए कई समझौते (जैसे रवांडा-कांगो या इजराइल-हमास) दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में पूरी तरह सफल नहीं रहे या उनकी कूटनीतिक भूमिका को लेकर अन्य देशों के दावे अलग हैं।

अक्टूबर में होनी है नोबेल पुरस्कारों की घोषणा

नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हर साल अक्टूबर के महीने में की जाती है। अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में, लगातार कुछ दिनों के भीतर अलग-अलग क्षेत्रों जैसे- चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य, शांति और अर्थशास्त्र के विजेताओं के नामों की घोषणा की जाती है। इसके बाद, इन सभी विजेताओं को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि यानी 10 दिसंबर (नोबेल दिवस) को स्वीडन के स्टॉकहोम (और शांति पुरस्कार के लिए नॉर्वे के ओस्लो) में एक भव्य समारोह में पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

भारतीय मूल के शिशु का दुर्लभ जिगर प्रत्यारोपण

नई दिल्ली, (आरएनएन)। दिल्ली के निजी अस्पताल में 7 माह के भारतीय मूल के त्रिनिदादी शिशु का दुर्लभ जिगर प्रत्यारोपण किया गया है। डॉक्टरों ने शुक्रवार को बताया कि उस जैसी दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से ग्रस्त दुनिया भर में केवल कुछ दर्जन बच्चों पर ही यह प्रक्रिया की गई है।

उसके पूर्वज करीब 175 साल पहले उप्र से प्रवास करके कैरेबियाई देश चले गए थे। एक निजी अस्पताल के अनुसार, एरिक रैमसूक नामक शिशु का वजन चार किलो से भी कम था और वह टीजेपी2 जीन में दुर्लभ उत्परिवर्तन के कारण अंतिम चरण के लिवर फेलियर से पीड़ित था।

चीन, ताइवान व जापान में हाई अलर्ट, देश के कई राज्यों में होगा असर

तूफान बावी के असर से घट सकती है बारिश

● नई दिल्ली / (हि.स.)

पश्चिमी प्रशांत महासागर में बना सुपर टाइफून बावी एशिया के कई देशों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। करीब 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं और लगभग 1,000 किमी तक फैले इस विशाल तूफान को हाल के वर्षों के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय चक्रवातों में माना जा रहा है।

इसका सीधा असर चीन, ताइवान व जापान पर पड़ने की आशंका है, जबकि इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव भारत के मानसून पर भी दिखाई देने लगा है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे देश को कवर कर चुका है, लेकिन मौसम विभाग की ताजा सैटेलाइट तस्वीरें चिंताजनक संकेत दे रही हैं। फिलहाल मप्र, छग, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में मानसून काफी सक्रिय है और इन क्षेत्रों में घने बादल छाए हुए हैं। गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में बादलों की गतिविधि कमजोर बनी हुई है।

जापान में 252 किमी/ घंटा तक चल सकती हैं हवाएं

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने ओकिनावा के साकिशिमा द्वीप समूह के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। यहां शनिवार तक हवा की रफ्तार 252 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके अलावा प्रति घंटे 50 मिमी तक बारिश, 24 घंटे में 300 मिमी वर्षा, 10 मीटर ऊंची समुद्री लहरें, तूफानी ज्वार और तटीय बाढ़ की चेतावनी भी जारी की गई है। सुपर टाइफून बावी के आने से पहले चीन टाइफून मेसाक से हुई भारी तबाही का सामना कर रहा है। गुआंग्शी प्रांत में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 9 लोग लापता हैं। हेंगझोउ में बांध टूटने से आई बाढ़ में 26 लोगों की जान चली गई, जबकि गुइगांग चिड़ियाघर में बाढ़ के कारण तीन शेरों की मौत हो गई और 100 से अधिक जानवर अपने बाड़ों से बाहर निकल गए।

आज का इतिहास

- **1346:** लक्जमबर्ग के चार्ल्स चतुर्थ पवित्र रोमन साम्राज्य के सम्राट बने।
- **1889:** सोवा बाजार क्लब किसी फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाला पहला भारतीय दल बना।
- **1902:** भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ एवं प्रथम रक्षामंत्री सरदार बलदेव सिंह का जन्म।
- **1921:** मंगोलिया को चीन से आजादी मिली।
- **1922:** हॉलीवुड बाउल की शुरुआत।
- **1930:** ब्रेडमैन ने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक दिन में 309 रन बनाए।
- **1948:** येरूशलम पर पहला हवाई हमला।
- **1956:** अंग्रेजी भाषा के साहित्यकार अमिताभ घोष का जन्म।

अंतरिक्ष तकनीक | चीन के रीयूजेबल रॉकेट प्रोग्राम को इस उपलब्धि से मिली बड़ी बढ़ोतरी

चीन ने किया विश्व का पहला सफलतापूर्ण नेट रिकवरी

● बीजिंग / (एजेंसी)

चीन ने स्पेस टेक्नोलॉजी में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। लॉन्ग मार्च-10ए रॉकेट के पहले स्टेज को समुद्र में नेट की मदद से सफलतापूर्वक रिकवर कर लिया गया। यह दुनिया का पहला ऐसा परीक्षण है जिसमें ऑर्बिटल रॉकेट के बूस्टर को नेट-आधारित ऑफशोर प्लेटफॉर्म पर कैप्चर किया गया।

इस उपलब्धि से चीन के रीयूजेबल रॉकेट प्रोग्राम को बड़ी बढ़ोतरी मिली है। चांद पर मानव मिशन की राह आसान हुई है। चीन एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन (सीएएससी) ने बताया कि हैनान कमर्शियल स्पेस लॉन्च साइट से लॉन्ग मार्च-10ए रॉकेट ने सफल उड़ान भरी। लगभग छह मिनट बाद पहले और दूसरे स्टेज अलग होने के बाद बूस्टर नियंत्रित तरीके से नीचे आया। समुद्र में बने रिकवरी प्लेटफॉर्म पर नेट में फंसकर सुरक्षित उतर गया। यह परीक्षण इसलिए खास है क्योंकि पहले स्पेसएक्स जैसी कंपनियां ड्रोन शिप पर लैंडिंग करती थीं, लेकिन चीन ने नेट सिस्टम का इस्तेमाल कर नया तरीका अपनाया। इससे रॉकेट को क्षति कम पहुंचती है।

रिकवरी आसान हो जाती है। रीयूजेबल रॉकेट का मतलब है कि महंगे बूस्टर को हर बार नया बनाने की बजाय रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया जाए। इससे लॉन्च की लागत बहुत कम हो जाती है। स्पेसएक्स ने फॉल्कन 9 रॉकेट से यह क्रांति शुरू की थी। अब चीन भी तेजी से इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

मानव स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम के लिए अहम

समुद्र में नेट से रिकवरी करना आसान नहीं है। रॉकेट को सटीक जगह पर लाना, हवा-समुद्र की स्थिति को नियंत्रित करना और नेट सिस्टम की मजबूती जरूरी है। चीन ने इसे सफलतापूर्वक कर दिखाया। यह परीक्षण चीन की अगली पीढ़ी के मानव स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम के लिए महत्वपूर्ण है। आने वाले वर्षों में चीन चंद्रमा पर एस्ट्रोनॉट्स भेजने की तैयारी कर रहा है। रीयूजेबल टेक्नोलॉजी से लागत कम होने पर ज्यादा मिशन संभव होंगे। दुनिया में रीयूजेबल रॉकेट की रेस तेज हो गई है। यूएस, चीन और अन्य देश सस्ते स्पेस ट्रांसपोर्टेशन पर काम कर रहे हैं। चीन की यह सफलता दिखाती है कि वह इस क्षेत्र में पीछे नहीं है।

आरकॉम के दो पूर्व अफसरों को कोर्ट से जमानत नहीं

1,900 करोड़ का बैंक धोखाधड़ी मामला

● मुंबई / (एजेंसी)

मुंबई की विशेष सीबीआई कोर्ट ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले आरकॉम के दो पूर्व वरिष्ठ अफसरों को 1,900 करोड़ रुपये से अधिक के कथित बैंक धोखाधड़ी केस में बेल देने से इनकार कर दिया और कहा कि अपराध का दायरा बहुत बड़ा है और आरोपियों को रिहा करने से जारी जांच पर गंभीर असर पड़ सकता है।

विशेष जज नितिन वी. जिवाने ने कंपनी के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष और संयुक्त अध्यक्ष विश्वनाथ देवराजा राव (67) तथा सीए और कंपनी के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल जमना कल्या (52) की बेल याचिकाएं नौ जुलाई को खारिज कर दीं।

दो अलग-अलग आदेशों में अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर प्रथमदृष्टया यह सामने आया है कि अपराध में उनकी संलिप्तता रही है, क्योंकि आरोप है कि वे धन प्राप्त करने के लिए किए गए कई बैंक लेनदेन संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी थे। अदालत ने कहा कि जांच का दायरा बहुत बड़ा है और अब भी जारी है। इसलिए सीबीआई द्वारा जताई गई यह आशंका कि आरोपी जांच को प्रभावित कर सकते हैं।

संपादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं को सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग करने वालों के लिये इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द दवा-दारू, वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चित ही स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरप आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है।

जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच-समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बहरहाल, नियमों में बदलाव सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी को ही दशार्ता है। जो यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि इलाज के लिए उपयोग होने वाले उत्पादों से लोगों को फायदा ही हो, नुकसान नहीं। निस्संदेह, सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया है। अब इस नियम को सख्ती से लागू करने का पक्का इरादा भी दिखाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इस रोग का पूरा इलाज नहीं हो पायेगा।

क्या सभ्य समाज की पहचान यही है?

उम्र मात्र तरह साल और बाइस वहशी दरिंदों द्वारा रेप,ऐसी खबरें वाकई रूह कपा देने वाली हैं और किसी भी संवेदनशील इंसान को भीतर तक झकझोर देती हैं।जब हम तकनीक,चांद-मंगल के अभियानों और बराबरी की बातें कर रहे 21वीं सदी के भारत को देखते हैं,और दूसरी तरफ ऐसी भयानक दरिंदगी और क्रूरता की खबरें सुनते हैं,तो यह सोचना बिल्कुल स्वाभाविक है कि क्या इंसान सच में 'वहशी जानवर' हो गया है? या फिर क्या हमारा पूरा समाज अंदर से सड़ चुका है?सम्भवतः यह सभ्य समाज की पहचान तो कतई नहीं कही जा सकती और ऐसे कितने ही उदाहरण होंगे,जो खबरों तक में नहीं आते...क्योंकि उसके पीछे बहुत सारे कारण हैं?हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से आईं आपराधिक घटनाएं–चाहे वह एक मासूम बच्ची के साथ सामूहिक हैवानियत हो,या फिर वैवाहिक रिश्तों में चरम हिंसा और क्रूरत–यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हम एक समाज के तौर पर किस दिशा में जा रहे हैं।क्या यह 'प्रगति' का दौर है या नैतिक पतन का चरम? इस स्याह हकीकत को समझने के लिए हमें इसके पीछे के कारणों को गहराई से देखना होगा।वैज्ञानिक और सामाजिक नजरिए से देखें तो यह पूरी तरह सच नहीं है कि पूरा समाज बिगड़ चुका है,लेकिन यह बिल्कुल सच है कि समाज का एक हिस्सा चरम मानसिक विकृति का शिकार हो चुका है।अक्सर हम गुस्से में कह देते हैं कि इंसान 'जानवर' हो गया है,लेकिन हकीकत यह है कि कोई भी जानवर अपनी ही प्रजाति के साथ ऐसी सुनियोजित क्रूरता या विकृति नहीं दिखाता।यह विशुद्ध रूप से मानव-मस्तिष्क का भटकाव है।जब इंसान के भीतर से सहानुभूति,कानून का डर और नैतिक मूल्य पूरी तरह खत्म हो जाते हैं,तब वह इस कदर हिंसक हो उठता है।ऐसी भयावह घटनाओं के पीछे कोई एक कारण नहीं होता,बल्कि यह कई सामाजिक,मानसिक और तकनीकी कारकों का मिलाजुला परिणाम है जैसे कि सहानुभूति का अभाव,आधुनिक जीवन की अंधी दौड़ और एकाकीपन ने इंसान को आत्मकेंद्रित बना दिया है। जब कोई व्यक्ति दूसरे के दर्द को महसूस करने की क्षमता खो देता है,तो वह किसी भी हद तक गिर सकता है।आज इंटरनेट पर पोर्नोग्राफी,डार्क वेब और हिंसक कंटेंट की बाढ़ आई हुई है।लगातार ऐसा कंटेंट देखने से इंसानी दिमाग 'डी-सेंसिटाइज' हो जाता है।जो चीज पहले विचलित करती थी,वह धीरे-धीरे सामान्य लगने लगती है।रिश्तों में होने वाली हत्याओं के पीछे अक्सर लंबे समय से दबा हुआ गुस्सा,घरेलू हिंसा, अवैध संबंध या अचानक उपजा तीव्र आक्रोश होता है।आज के समय में लोगों में 'आवेग नियंत्रण' यानी अपने गुस्से पर काबू रखने की क्षमता तेजी से घट रही है।कई बार अपराधियों को लगता है कि वे कानून की कमियों का फायदा उठाकर बच निकलेंगे।जब तक न्याय प्रक्रिया में देरी होती है,तब तक अपराधियों के हौसले बुलंद रहते हैं।हमें यह तथ्य हमेशा याद रखना चाहिए कि इस विकृति को केवल जेल या फांसी के डर से पूरी तरह नहीं रोका जा सकता,क्योंकि अपराध होने के बाद की सजा से पीड़ित का नुकसान वापस नहीं होता।इसके इलाज की शुरूआत बुनियाद से करनी होगी जैसे कि मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना।

लोक कलाकार भिखारी ठाकुर की पुण्य तिथि 10 जुलाई पर विशेष

सच साबित हुई थी भिखारी ठाकुर की भविष्यवाणी

के. डी. पाठक,
कवि एवं पत्रकार

भिखारी ठाकुर जी की रचनाओं में कुछ ऐसी भविष्यवाणी है जो आगे जाकर अक्षर-अक्षर सच साबित हुई है इस आधार पर ये बात स्थापित होती है कि भिखारी ठाकुर की आध्यात्मिक चेतना बहुत ही गंभीर गहरी थी ये बात कही जा सकती है कि उनकी भक्ति सिद्धि के स्तर तक पहुंच गई थी और वो एक ब्रह्म ज्ञानी लोक कलाकार थे। एक उदाहरण जो उन्होंने अपनी रचना में ही लिख दिया था।

अबही नाँव भइल वा थोरा, जब यह तन छूट जाई मोरा।

तेकरा बाद पचास बरीसा, तेकरा बाद बीस दस तीसा।

तेकरा बाद नाम होई जईहन, पंडित,कवि,सज्जन जे गइहन।

उन्होंने कहा था कि अभी थोड़ा सा नाम हुआ है जब मैं दिवंगत हो जाऊंगा इसके 50 वर्षों के बाद मेरे नाम की चर्चा पंडित, कवि, सज्जन लोग गायेंगे जो आज भी सच साबित हो रही है।

ऐसी भविष्यवाणी करने वाला बस एकमात्र भोजपुरी साहित्यकार हैं भिखारी ठाकुर। उनकी भविष्यवाणी अक्षर-अक्षर सच घटित हुआ है। इस उदाहरण से साबित हो रहा है कि उनकी आध्यात्मिक चेतना कितनी ऊंची दर्जे की थी।

सूद पूस पंचमी दिन दुपहर सोमार, धरती प नटराज के लिहल अवतार।

नटनागर का चरन में, अंत काल नेह, सावन कृष्णा तीज सनी तजे भिखारी देह।

जिस दिन उनकी मृत्यु हुई थी उनके अनुसार कही गई भविष्यवाणी बिल्कुल सत्य घटित हुई थी।

अपनी मृत्यु की भविष्यवाणी करने वाले कलाकार भिखारी ठाकुर सच में एक महान संत की आत्मा थे। जिनका आध्यात्मिक ज्ञान सामान्य नहीं है।

पृथ्वी लोक छोड़ने का दिन 10 जुलाई 1971 दिन शनिवार को साढ़े तीन बजे दिन में अपने धरती धाम को प्रणाम करते हुए सभी लोगों से हाथ जोड़ते हुए, क्षमा माँगते हुए और ये कहना कि हम जा रहे हैं मेरी उम्र 83 वर्ष 6 माह और 22 दिन ही मिला था यह इस बात को पुष्ट कर रहा है कि कि उन्हें ब्रह्म चेतना से साक्षात्कार हो गया था, भिखारी ठाकुर जी की मृत्यु एक महान संत जैसी हुई जो उन्होंने भविष्यवाणी किया था हुबहू उसी तरह उनकी आत्मा ने पृथ्वी लोक छोड़ा ऐसी मृत्यु एक चमत्कारिक उदाहरण है।

गगरी फूटल, दोसर किनाई, लागल इज्जत के ओर।

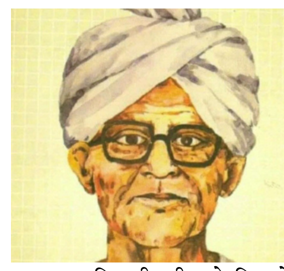

कहत भिखारी सनीचर के दिन, होई सउसे गाँव के बटोर।

अपनी अंतिम इच्छा में उन्होंने जो कहा था वो उनकी आध्यात्मिक चेतना, सनातनी पपरंपरा आ धरम का अद्भुत उदगार था।

मुए के समे स्वामी अतना करिहऽ जरूर

मुख में पड़े गंगा जी के जल,
खाली जनि डलिहऽ तुलसीदल
धोवल विष्णु चरण कमल,
ओहि के नाम संजीवनी बूटी
अकाल मृत्यु होवे ना पावे,
कवनो रोग भी नाहि सतावे
यमदूत तनिक पास न आवे,
मोसे छूट जाए यमपुरी
जारस गाँव, गोत्र, परिवार,
हड्डी बहे सुरसरि धार
ब्राह्मण कर्मकांड व्यवहार,
करि के कलह किला दिहऽ तुरी
जय कृष्ण चंद्र बलराम,
माथे मोर मुकुट घनश्याम
श्री नट नागर शोभा धाम,
भिखारी चाहत चरण के धरी।

ये प्रसंग अद्भुत और बहुत मार्मिक है। इस प्रसंग को जानने के बाद कोई दो राय नहीं है कि भिखारी ठाकुर जी भारत के महान संत परंपरा, भक्ति परंपरा के सनातन संस्कृति के महापुरुष थे।

भिखारी ठाकुर जी के साहित्यिक कृतियों में भी विभिन्न संदर्भों से ये स्थापित हो रहा है कि महात्मा भिखारी, संत भिखारी सनातन धर्म के देवी-देवता को आपना उपास्य मानते थे श्री राम. श्री कृष्ण, भोला बाबा, श्री गनेश, जगदम्बा माई, काली माई। ठाकुर जी, देवता- पितर, गंगा जी, धेनु, विप्र, सतीमाई, बह्म बाबा, ग्राम देवता, कुल देवता, मिरचईया बाबा, बदरीदास, मनेर के पीर बाबा। मुरगिया पीर साधु-संत, माता-पिता, गुरु, मूर्तिपूजा, तुलसीदल, टीका तिलक, रामचरित मानस, तुलसी दास, कबीर, सखी संप्रदाय, मीरा, रैदास जइसन सनातन संस्कृति के प्रतीक चिन्हन के गौरव गरिमा की चर्चा उनके साहित्य में प्राप्त होते हैं।

सनातन संस्कृति के विराट संवाहक के रूप में भिखारी बाबा, महात्मा भिखारी, भिखारी दास का आदर सम्मान चिरकाल तक सनातन भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में अमर हो गया है। आज ब्रह्म ज्ञानी महात्मा भिखारी ठाकुर जी की पुण्य तिथि है कोटि कोटि नमन।

लोक कलाकार, तत्व ज्ञानी, लोक नायक, ब्रह्म ज्ञानी परम पूज्य भिखारी ठाकुर जी अपने साहित्य, लोक परम्परा और भक्ति तत्व के कारण सदैव समाज को आलोकित करते रहेंगे। *(लेखक कवि एवं पत्रकार हैं और सामाजिक,सांस्कृतिक विषयों के स्तंभकार हैं)*

फिल्म समीक्षा : मैं वापस आऊँगा-इतिहास के घावों पर प्रेम और स्मृति का मरहम

डॉ.सीमा

हिंदी सिनेमा में ऐतिहासिक घटनाओं को मानवीय संवेदनाओं के साथ चित्रित करने की परंपरा समय के साथ और अधिक समृद्ध हुई है। इसी परंपरा की एक उल्लेखनीय कड़ी के रूप में निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊँगा 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। रिलीज के बाद दर्शकों और समीक्षकों दोनों से इसे भरपूर सराहना मिली। इस चर्चा ने मेरी उत्सुकता भी बढ़ाई और कल यह फिल्म देखने का अवसर मिला। फिल्म देखकर यह अनुभव हुआ कि यह केवल विभाजन की कहानी नहीं है, बल्कि मनुष्य की स्मृतियों, प्रेम, बिछोह और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की अदम्य इच्छा का मार्मिक आख्यान है।

भारत-विभाजन पर अनेक फि ल्में बनी हैं, किंतु मैं वापस आऊँगा इस विषय को एक अलग दृष्टि से देखती है। यहाँ विभाजन केवल दो देशों के बीच खिंची सीमा नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर उत्पन्न उस दरार का प्रतीक है, जो उसके जीवन, रिश्तों और पहचान को हमेशा के लिए बदल देती है। फिल्म इतिहास को आँकड़ों या राजनीतिक घटनाओं के माध्यम से नहीं, बल्कि साधारण मनुष्यों की असाधारण पीड़ा के माध्यम से प्रस्तुत करती है।

फिल्म की कथा वर्तमान और अतीत के बीच सहज रूप से चलती है। एक वृद्ध व्यक्ति अपने पोते को अपने अधूरे प्रेम और विस्थापन की कहानी सुनाता है। यह शिल्प केवल कहानी कहने का माध्यम नहीं, बल्कि स्मृति और वर्तमान के बीच एक जीवंत सेतु बन जाता है। दर्शक धीरे-धीरे यह महसूस करने लगता है कि समय आगे बढ़ जाता है, लेकिन कुछ बिछड़नें और कुछ प्रतीक्षाएँ जीवन भर मनुष्य का साथ नहीं छोड़तीं।

इम्तियाज अली की फिल्मों में प्रेम हमेशा पारंपरिक अर्थों से आगे बढ़कर जीवन-दर्शन का रूप ले लेता है। इस फिल्म में भी प्रेम किसी रोमानी आकर्षण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह संस्कृति, इतिहास और मानवीय संवेदनाओं का विस्तार बन जाता है। फिल्म यह विश्वास जगाती है कि सीमाएँ नक्शों पर खींची जा सकती हैं, मनुष्यों के हृदयों पर नहीं। यही कारण है कि मैं वापस आऊँगा शीर्षक भी केवल किसी व्यक्ति की वापसी नहीं, बल्कि स्मृतियों, अपनेपन और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रतीक बन जाता है। अभिनय फिल्म की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। सभी कलाकार अपने पात्रों में पूरी तरह रचे-बसे दिखाई देते हैं। विशेष रूप से वृद्ध पात्र की आँखों में छिपी प्रतीक्षा, बिछोह और स्मृतियों का दर्द लंबे समय तक दर्शक का पीछा करता है। युवा कलाकारों ने भी अपने पात्रों की मासूमियत, सपनों और संघर्षों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया है। कहीं भी अभिनय कृत्रिम या अतिनाटकीय नहीं लगता, जिससे कथा की विश्वसनीयता बनी रहती है।

फिल्म का छायांकन अत्यंत आकर्षक है। पंजाब के गाँव, सरसों के खेत, पुराने मकान, धूल भरी पगडंडियाँ और सीमा से जुड़े दृश्य केवल सौंदर्य नहीं रचते, बल्कि वातावरण का भावात्मक विस्तार बन जाते हैं। कैमरे की भाषा कई बार संवादों से अधिक प्रभावी सिद्ध होती है। वर्तमान के अपेक्षाकृत शांत रंगों और अतीत के धुँधले, उदास फ्रेमों के माध्यम से निर्देशक ने समय के अंतर को अत्यंत कलात्मक ढंग से उभारा है।

संगीत फिल्म की आत्मा है। लोकधुनों की मिठास और पृष्ठभूमि संगीत की मार्मिकता कहानी को भावनात्मक गहराई प्रदान करती है। कई दृश्य ऐसे हैं जहाँ संवादों की अपेक्षा संगीत पात्रों की मनःस्थिति को अधिक प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है। यही कारण है कि फिल्म समाप्त होने के बाद भी उसके गीत और धुनें लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती हैं। पटकथा संतुलित है, हालांकि कुछ स्थानों पर इसकी गति धीमी अवश्य महसूस होती है। परंतु यह धीमापन कथा की कमजोरी कम और उसके भावात्मक विस्तार का हिस्सा अधिक प्रतीत होता है। निर्देशक ने बाहरी घटनाओं की अपेक्षा पात्रों की भीतरी यात्रा को अधिक महत्व दिया है। इसलिए यह फिल्म उन दर्शकों को अधिक प्रभावित करेगी जो विचारशील और संवेदनात्मक सिनेमा को पसंद करते हैं।

फिल्म का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष उसका मानवीय संदेश है। आज जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विभाजनों से जूझ रहा है, तब यह फिल्म प्रेम, सह-अस्तित्व और संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करती है। यह किसी एक पक्ष का समर्थन नहीं करती, बल्कि विभाजन की साझा मानवीय पीड़ा को केंद्र में रखती है। यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो फिल्म कुछ स्थानों पर आवश्यकता से अधिक भावुक हो जाती है। कुछ सहायक पात्रों के विकास की संभावना भी अधूरी रह जाती है। साथ ही, यदि विभाजन की राजनीतिक पृष्ठभूमि और ऐतिहासिक संदर्भों को थोड़ा अधिक विस्तार मिलता, तो कथा और अधिक संतुलित एवं प्रभावशाली बन सकती थी। फिर भी ये कमियाँ फिल्म के समग्र प्रभाव को बहुत अधिक प्रभावित नहीं करतीं। फिल्म की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह दर्शक को केवल भावुक नहीं करती, बल्कि सोचने के लिए भी विवश करती है। यह याद दिलाती है कि मनुष्य का वास्तविक घर केवल कोई भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि उसकी स्मृतियाँ, उसके रिश्ते और उसकी मानवीय संवेदनाएँ होती हैं। शायद यही इस फिल्म का सबसे गहरा संदेश भी है।

अंततः, मैं वापस आऊँगा केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि इतिहास, प्रेम और मानवीय अस्मिता पर आधारित एक संवेदनशील सिनेमाई अनुभव है। उत्कृष्ट अभिनय, प्रभावशाली निर्देशन, सशक्त छायांकन, मधुर संगीत और गहन मानवीय दृष्टि इसे समकालीन हिंदी सिनेमा की उल्लेखनीय कृतियों में स्थान दिलाते हैं। यदि आप ऐसी फि ल्में पसंद करते हैं जो मनोरंजन के साथ-साथ मन और विचार दोनों को स्पर्श करें, तो मैं वापस आऊँगा निश्चित रूप से देखी जानी चाहिए। यह फिल्म समाप्त होने के बाद भी लंबे समय तक दर्शक के भीतर जीवित रहती है। *(लेखिका देशबन्धु कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं)*

हिन्दू धर्म आधारित संस्कारों की शिक्षा पर न्यायिक मुहर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का हालिया निर्णय उन सभी के लिए नजीर है, जो अकसर भारतीय हिन्दू ज्ञान परंपरा और धर्म के मूल नैतिक तत्वों पर भी प्रश्न उठाते रहते हैं। इसलिए यह एक सरकारी परिपत्र की वैधानिकता तक सीमित न होकर उस मूल प्रश्न का उत्तर भी है, जिस पर लंबे समय से देश में बहस चल रही है कि क्या भारतीय संस्कृति और उसकी ज्ञान परंपरा को विद्यालयी शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए या नहीं। वस्तुतः सरकारी विद्यालयों में सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, गुरु मंत्र और शांति मंत्र के वाचन संबंधी राज्य सरकार के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि संविधान किसी भी सांप्रदायिक सिद्धांतों से असंबद्ध नैतिक शिक्षा पर रोक नहीं लगाता। यह टिप्पणी भारतीय शिक्षा व्यवस्था, संविधान और सांस्कृतिक विरासत के बीच संतुलन स्थापित करने वाली एक महत्वपूर्ण न्यायिक व्याख्या के रूप में देखी जानी चाहिए।

कहना होगा कि भारतीय शिक्षा की अवधारणा सदैव सा विद्या या विमुक्तये के सिद्धांत पर आधारित रही है। यहां शिक्षा का उद्देश्य रोजगार प्राप्त करने के साथ ही ऐसे नागरिक तैयार करना है, जिनमें ज्ञान के साथ चरित्र, अनुशासन, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो। इसी कारण गुरुकुल परंपरा से लेकर आधुनिक विद्यालयों तक प्रार्थना, शांति पाठ, गुरु वंदना और नैतिक मूल्यों का विशेष स्थान रहा है।

इन परंपराओं का मूल उद्देश्य मनुष्य के भीतर श्रेष्ठ संस्कारों का विकास करना रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी अपने विद्यालयों में जो व्यवस्था लागू की, उसका घोषित उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से जोड़ना था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी स्पष्ट रूप से भारतीय ज्ञान प्रणालियों, स्थानीय परंपराओं और मूल्य आधारित शिक्षा को विद्यालयी पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग मानती है। ऐसे में राज्य सरकार का यह प्रयास उसी व्यापक नीति का विस्तार माना जा सकता है।

याचिकाकताओं ने इस व्यवस्था को संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 25, 28, 29 और 30 का उल्लंघन बताते हुए इसे धार्मिक शिक्षा का स्वरूप देने का प्रयास किया। उनका तर्क था कि सरकारी विद्यालयों में ऐसे मंत्रों का वाचन अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को असहज कर सकता है। यह एक संवैधानिक प्रश्न था, जिसका उत्तर सिर्फ भावनाओं के आधार पर देना संभव नहीं था, संविधान की भाषा और उसके उद्देश्य से ही दिया जा सकता था। यहीं पर उच्च न्यायालय का निर्णय महत्वपूर्ण हो जाता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 28(1) का आशय राज्य पोषित संस्थानों में किसी विशेष धर्म के कर्मकांड, पूजा-पद्धति अथवा धार्मिक सिद्धांतों की शिक्षा को रोकना है, किंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि नैतिक शिक्षा, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और चरित्र निर्माण से जुड़े सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रतिबंधित मान लिया जाए।

न्यायालय ने यह भी पाया कि सरकारी आदेश में ऐसा कोई बाध्यकारी प्रावधान नहीं है, जिससे किसी छात्र को उसकी धार्मिक मान्यता के विरुद्ध कार्य करने के लिए विवश किया जा रहा हो। महत्वपूर्ण यह भी है कि आदेश में किसी छात्र के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं था, इसलिए यह निर्णय भारतीय संस्कृति और भारतीय संविधान के बीच कृत्रिम टकराव पैदा करने वाली सोच पर भी अप्रत्यक्ष प्रश्नचिह्न लगाता है।

भारतीय परंपरा में गायत्री मंत्र को सद्बुद्धि की प्रार्थना, शांति मंत्र को समस्त विश्व के कल्याण की कामना और सरस्वती वंदना को ज्ञान के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इनका मूल भाव नैतिक और मानवीय है। इन्हें सिर्फ संकीर्ण धार्मिक दृष्टि से देखना भारतीय ज्ञान परंपरा की व्यापकता को सीमित कर देना होगा। इस निर्णय का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से जुड़ा है।

नई शिक्षा नीति तकनीकी दक्षता से आगे समग्र व्यक्तित्व निर्माण पर बल देती है। उसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और संवैधानिक कर्तव्यों को शिक्षा का अभिन्न अंग बताया गया है। यदि विद्यालय बच्चों को केवल परीक्षा पास करने की मशीन बना दें और उनके भीतर अनुशासन, करुणा, कृतज्ञता, राष्ट्रबोध तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास न हो, तो शिक्षा अधूरी रह जाएगी।

आज जब समाज अनेक सामाजिक चुनौतियों, बढ़ती हिंसा, नशे की प्रवृत्ति, डिजिटल व्यसन और नैतिक संकट का सामना कर रहा है, तब विद्यालयों में मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। यह मूल्य किसी एक धर्म (हिन्दू) तक सीमित कर उन्हें संकीर्ण मान लेना उचित नहीं है, क्योंकि किसी भी धर्म के श्रेष्ठ सिद्धान्त सभ्य समाज की साझा आवश्यकता हैं। यदि भारतीय संस्कृति की सकारात्मक परंपराएं विद्यार्थियों में आत्मानुशासन, एकाग्रता, कर्तव्यबोध और श्रेष्ठ नागरिकता की भावना विकसित करने में सहायक बनती हैं, तो उन्हें पूर्वाग्रह के बजाय विवेकपूर्ण दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी संतुलित सोच का प्रतिनिधित्व करता है। अदालत ने न तो संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना से समझौता किया और न ही भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संदेह की दृष्टि से देखा। उसने स्पष्ट किया कि नैतिक शिक्षा और सांप्रदायिक शिक्षा में मूलभूत अंतर है तथा दोनों को एक-दूसरे का पर्याय नहीं माना जा सकता। वास्तव में यह निर्णय आगे छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहेगा। यह भविष्य में शिक्षा, संस्कृति और संविधान से जुड़े अनेक विमर्शों के लिए संदर्भ बिंदु बनेगा। इससे यह संदेश भी जाता है कि भारतीय लोकतंत्र में संविधान और संस्कृति परस्पर विरोधी न होकर एक-दूसरे के पूरक हैं। उनका उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए समाज में सद्भाव, नैतिकता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है।

इसके साथ ही यहां यह भी स्पष्ट हो गया है कि जो लोग भारतीय हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को संकुचित आइने से देखते हैं, वे अपने दृष्टिकोण में विस्तार करें, हिन्दू धर्म के नैतिक मूल्य सर्वकल्याणकारी हैं, यानी वे प्रत्येक मनुष्य के जीवन को उत्तरोत्तर आगे श्रेष्ठ दिशा में बढ़ाने वाले हैं। यह किसी संप्रदाय, मत, पंथ, रिलीजन के सीमित दायरे से परे हैं। इसलिए हिन्दू धर्म के सभी सिद्धांत मनुष्य मात्र के हित के लिए हैं, वह सभी के लिए समान हितकारक हैं।

महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र की कसौटी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है। लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग-अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है? लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जन प्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

देश में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है। हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अकसर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आंकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं।

महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक अनुभव पर आधारित है। दूसरी ओर एक चिंता यह भी व्यक्त की जाती है कि क्या आरक्षण का लाभ वास्तव में समाज के अंतिम पायदान की महिलाओं तक पहुंचेगा? भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना आज भी अत्यधिक संसाधन-आधारित प्रक्रिया है। ऐसे में संभावना रहती है कि टिकट वितरण में राजनीतिक परिवारों, प्रभावशाली नेताओं, आर्थिक रूप से सक्षम उम्मीदवारों अथवा पहले से प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्राथमिकता मिले। यदि ऐसा होता है, तो ग्रामीण, गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा। यह चुनौती केवल महिला आरक्षण की नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की समग्र संरचना की है। जब तक राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व के अवसर नहीं देंगे, तब तक केवल संवैधानिक आरक्षण से अपेक्षित परिवर्तन सीमित रह सकता है। वास्तविक महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल संसद तक पहुँचाना नहीं, बल्कि निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति देना भी है। एक और महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना से जुड़ा है। लगभग सभी दल महिला सम्मान और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन टिकट वितरण, संगठनात्मक पदों और शीर्ष नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित दिखाई देती है। यदि राजनीतिक दल स्वयं अपनी कार्यप्रणाली में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएँ, तो लोकतांत्रिक संस्कृति अधिक मजबूत होगी।

लोकसभा की सीटों में संभावित वृद्धि का एक दूसरा आयाम संघीय संतुलन भी है। परिसीमन के बाद जनसंख्या के आधार पर राज्यों के प्रतिनिधित्व में परिवर्तन हो सकता है। इससे विभिन्न राज्यों के बीच राजनीतिक शक्ति का संतुलन प्रभावित होने की संभावना पर भी विशेषज्ञ चर्चा करते रहे हैं। इसलिए यह केवल संसद की संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय संघीय व्यवस्था का भी विषय है। ऐसे निर्णय व्यापक राष्ट्रीय सहमति और गंभीर विमर्श के आधार पर ही लिए जाने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की एक और चुनौती है, जन प्रतिनिधियों के प्रति जनता का घटता विश्वास। संसद में व्यवधान, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, विधेयकों पर सीमित चर्चा और चुनावी राजनीति का बढ़ता प्रभाव लोगों के मन में यह प्रश्न पैदा करता है कि क्या लोकतांत्रिक संस्थाएं अपनी सर्वोत्तम क्षमता से काम कर रही हैं? यदि जनता पहले से ही प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर प्रश्न उठा रही है, तो संख्या बढ़ाने से पहले जवाबदेही बढ़ाने पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

लोकतंत्र में गुणवत्ता, संख्या से अधिक महत्वपूर्ण होती है। यदि संसद की कार्यवाही अधिक प्रभावी हो, संसदीय समितियाँ बेहतर ढंग से काम करें, सांसद अपने क्षेत्रों में अधिक सक्रिय रहें और कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बने, तो जनता का विश्वास स्वतः बढ़ेगा। केवल अधिक सांसद होने से लोकतंत्र अधिक उत्तरदायी नहीं हो जाता। महिला आरक्षण को लेकर एक सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने से संसद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, सामाजिक न्याय और परिवार से जुड़े विषयों पर अधिक संवेदनशील बहस होने की संभावना रहती है।

BMW ग्रुप इंडिया ने +17% विकास के साथ अब तक की सबसे ज्यादा किया बिक्री दर्ज

BMW ग्रुप इंडिया लगातार डबल डिजिट ग्रोथ के साथ अपना शानदार परफोर्मेन्स जारी रखे हुए है। इस साल जनवरी से जून के बीच, इटह ग्रुप इंडिया ने 9,075 कारें बेचीं, जिसमें साल-दर-साल (y-o-y) 17% से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज की गई। कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) कंपनी ने 4,507 कारें डिलीवर कीं, जो +17% की सालाना ग्रोथ को दिखाता है।

इस अवसर पर श्री हरदीप सिंह ब्रार, प्रेसिडेंट और उएड, इटह ग्रुप इंडिया ने कहा वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में, चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बावजूद इटह ग्रुप इंडिया ने अब तक की अपनी सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है।

यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों द्वारा हमारे ब्रांड्स पर जताए गए गहरे विश्वास का प्रमाण है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर हमारा निरंतर फोकस सफल रहा है और आज लक्जरी ईवी सेगमेंट (EV) में इटहग्राहकों की पहली पसंद बन चुका है। हमारी कस्टमर-सेंट्रिक प्रोडक्ट स्ट्रैटेजी भी लगातार बेहतर परिणाम दे रही है, जिसे हमारे एग्जीक्यूटिव लॉन्ग व्हीलबेस और डायनामिक स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स की बढ़ती मांग से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

इटहग्रुप इंडिया भारत में नंबर वन लक्जरी इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्राण्ड है, जिसने ल1 (जनवरी-जून 2026) के दौरान ग्राहकों को 2,359 ईवी (EV) डिलीवर किए हैं। ईवी की मांग में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है, जो +78% की सालाना (y-o-y) की दर से बढ़ी है। लक्जरी ईवी (V) में 69% मार्केट शेयर के साथ ठडॅ ग्रुप इंडिया लक्जरी सेगमेन्ट में ई-मोबिलिटी के अडॉप्शन को बढ़ाना जारी रखे हुए है। ल1में ईवी की पहुंच 26% रही, यानि इटहग्रुप इंडिया द्वारा बेची जानी वाली हर चौथी कार ईवी (EV) है।

इटह के लॉन्ग व्हीलबेस में सेडान और एसयूवी दोनों तरह के मॉडल शामिल हैं, जो परफोर्मेन्स, स्पेस और आराम का बेहतरीन संयोजन पेश करते हैं। इटह ग्रुप इंडिया लक्जरी सेगमेन्ट में लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल्स की सबसे बड़ी रेंज लेकर आती है, कंपनी ने भ1 के दौरान 4,428 लॉन्ग व्हीलबेस कारें बेचीं और सेल्स में 52% शेयर के साथ 24% से अधिक सालाना बढ़ोतरी दर्ज की है।

हर तरह की राइड के लिए उपयुक्त इटह और MINI SAVs ³fZ 5,926 युनिट्स के साथ 35% से अधिक सालाना बढ़ोतरी देखी है।

अपनी शानदार मौजूदगी, दमदार परफोर्मेन्स और लक्जरी खूबियों के चलते सेल्स में इनकी हिस्सेदारी बढ़कर 65% पर पहुंच गई है। ल1 में डप्छप् ने 504 कारें बेचते हुए +70% की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की। MINI Countryman सबसे लोकप्रिय टक्ठक बनी हुई है, इसके बाद Convertible औरConvertible को भी खूब पंसद किया जा रहा है। 2026 में लॉन्च किए गए स्पेशल एडीशन्स में MINI Cooper S Victory Edition, MINI Cooper S GP Inspired और MINI Convertible JCW Pack शामिल हैं। BMW MotorrÔd ने 2,327 मोटरसाइकलें डिलीवर कीं- इसके लोकप्रिय मॉडलों में इटह र 1000 RR, BMW 900 GS / GSA और BMW 1300 GS / GSA शामिल हैं। BMW इंडिया ने BMW M Drift Academy, Women's Power Drive, BMW Golf Cup, MINI Go-Kart Days और इटह ट 1000 फ सहित 11 नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं। 2026 के अंत तक 14 और मॉडल्स के साथ नए लॉन्च जारी रहेंगे।

कंपनी के सिग्नेचर इवेंट्स जैसे Power Drive, BMW Golf Cup, MINI Go-Kart Days और इटहBMW GS Experience में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। मोबिलिटी के दायरे से बढ़कर, इंडिया आर्ट फेयर और कोची-मुजिरीस बिएनाले के साथ इटह की साझेदारी रचनात्मकता को बढ़ावा देती है, वहीं BMW एक्सीलेंस क्लब ट्रैवल, लाइफस्टाइल और स्पोर्ट्स से जुड़े खास अनुभवों के जरिए विशेष अनुभव प्रदान करता है। H1 2026 के दौरान हर 4 इटह से 1 को इटह इंडिया फाइनैंशियल सर्विसेज के माध्यम से फाइनैंस किया गया। कंपनी द्वारा खास तौर पर तैयार किए गए फाइनैंशियल प्रोडक्ट्स कई आकर्षक फायदे देते हैं, जैसे कि 40% तक कम मासिक किश्तें, एक्स-शोरूम कीमत पर 73% तक का अश्योर्ड बाय-बैक, अवधि समाप्त होने पर कई प्रत्यासथ विकल्प, और आसानी से नई कार में अपग्रेड करने की आजादी।

सोनम वांगचुक का बड़ा जेन-जेड हमला कराने की साजिश : हिन्दू संगठन

अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुन्ना कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई हिन्दू संगठनों की बैठक में सोनम वांगचुक के 20 जुलाई के संसद कूच के आह्वान को गम्भीरता से लिया गया। बैठक में हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुन्ना कुमार शर्मा ने खुशी जतायी कि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राष्ट्रीय अध्यक्ष आई आई टीएन श्री मुकेश जैन की सोनम वांगचुक के बारे में दी चेतावनी को बहुत गम्भीरता से लेना चाहिये। जैन साहब वो शख्स है जिन्होंने अन्ना हजारे और अरविन्द केजरीवाल के खिलाफ जन्तर मन्तर पर उस समय प्रदर्शन करके इन देशद्रोहियों के नक्सली ईसाई जो किसान आन्दोलन की आड़ में ट्रैक्टर रैली को पुराने किले तक ले जाकर गणतन्त्र दिवस को सलामी मंच पर हमला करने की साजिश को अंजाम देने जा रहे थे। हाल ही में वेनजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को जिस प्रकार से अमेरीका ने रातों-रात उठवा लिया यही सब सी आई ए का ऐजेन्ट

अमित शाह जी ने सीमा सुरक्षा को लेकर बड़ी बैठक की। किन्तु आज देश के लिये सबसे बड़ा खतरा संसद भवन, प्रधान मंत्री निवास, और राष्ट्रपति भवन से चन्द कदमों की दूरी पर बैठा ये सोनम वांगचुक है। जो नेपाल और बंगला देश की तरह लद्दाख में आग लगाने का माहिर मंजा हुआ खिलाड़ी है। जिसका एक मात्र उद्देश्य दिल्ली में भी नेपाल और बंगलादेश की तरह जेन जेड आन्दोलन करके राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को शेख हसीना की तरह देश छोड़कर भागने को मजबूर करना है। बैठक में दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने कहा कि सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के साथ वें सभी सी आई ए की फंडखोर देशद्रोही ताकते खड़ी हैं जो अन्ना आन्दोलन के दौरान अमेरीकी ईशारे पर भारत की लोकतांत्रिक सरकार गिराने जा रही थी। जन्तर-मन्तर पर आकर अभिजीत दीपके को समर्थन देने वाले प्रशान्त भूषण, योगेन्द्र यादव, संजय सिंह, अरूंधति राय, अमरीका के फंडखोर किसान नेता आदि वो चेहरे हैं, जो नक्सली ईसाई आतंकवादियों के मास्टर माइंड रह चुके है। सरकार की विदेशी अनुदान की नई नीति से बौखलाये इन सबका एक ही बयान है कि दिल्ली को घेर लो। दिल्ली की तरफ कूच करो।

बैठक में सनातन धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मानिक देशमुख ने कहा कि सरकार को दारा सेना के आतंकवादी चेहरे को बेनकाब किया था जब पूरा देश रामलीला मैदान में बैठकर अन्ना ही अन्ना की माला जप रहा था। आज देश से जो अमेरीकी नक्सली ईसाई आतंकवाद का खात्मा हुआ है और मणिपुर से लेकर महाराष्ट्र तक अमेरीकी नागरिकों पर आतंकवादियों की मदद करने के मामले में मुकदमें दर्ज हुए हैं। इसमें इनके द्वारा लिखित पुस्तकें शातिर अन्ना हजारे का नक्सली ईसाई आतंकवाद और देशद्रोही केजरीवाल का अमेरीकी नक्सली ईसाई आतंकवाद और इन आतंकवादियों के खिलाफ सरकार को दिन-रात आगाह करने का बहुत बड़ा योगदान है। इसके लिये श्री मुकेश जैन को पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाना चाहिये।

बैठक में अटल जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बम बम महाराज ने कहा कि लद्दाख में आग लगाने वाले सोनम वांगचुक का वी वी आई पी इलाके से सटकर बैठे होना राष्ट्र और दिल्ली की सुरक्षा को बहुत बड़ा खतरा है। अभिजीत दीपके के साथ वो ही अमेरीकी सी आई ए की ऐजेन्ट नक्सली ईसाई आतंकवादी ताकते हैं जिन्होंने रोना विल्सन और गौतम नवलखा के साथ मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मारने की साजिश रची थी। इनका एक ही सपना है। जिसको अफजल गुरू अंजाम देने चला था। संसद को श्मशान बनाना। इस बार पूरी तैयारी करके आयी यें वो ही देशद्रोही ताकते हैं अभिजीत दीपके, सोनम वांगचुक और अरविन्द केजरीवाल, प्रशान्त भूषण, योगेन्द्र यादव, संजय सिंह, अरूंधति राय के साथ मिलकर करने जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ, झारखण्ड ओर तेलंगाना में खाली बैठे अपने नक्सली ईसाई आतंकवादियों को भी यें देशद्रोही बड़ी सख्या में छात्रों के भेष में लाकर संसद पर बड़ा नक्सली हमला करेंगें।

बैठक में हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विष्णु गुप्ता ने कहा कि एक बड़ी साजिश के तहत भारत का मीडिया अन्ना आन्दोलन की तरह इस बार भी देश को गुमराह कर रहा है। देश का मीडिया राम मन्दिर के चन्दा चोरी के मामले में देश को उलझाकर संसद पर हमला करने की इन देशद्रोहियों की साजिश को छुपा रहा है। हम हिन्दू संगठनों को केजरीवाल गैंग की इस साजिश को उजागर करना चाहिये। बैठक में हिन्दू संगठनों ने फैसला किया कि इसी 17 जुलाई को अभिजीत दीपके, सोनम वांगचुक अरविन्द केजरीवाल, प्रशान्त भूषण, योगेन्द्र यादव, संजय सिंह और अरूंधति राय की संसद पर हमला करने की देशद्रोही साजिश के खिलाफ जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन करके राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृहमंत्री और भारत के मुख्य न्यायधीश को ज्ञापन दिया जायेगा। हिन्दू संगठनों ने दिल्ली पुलिस से भी अनुरोध किया कि वो हम हिन्दू संगठनों को जन्तर मन्तर पर पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करे।

एनबीसी बियरिंग्स ने नई ऑटोमोटिव पार्ट्स रेंज किया लॉन्च

भारत की अग्रणी बियरिंग निमार्ता और विश्वसनीय मोबिलिटी सॉल्यूशंस पार्टनर नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ब्रांड एनबीसी बियरिंग्स ने आज ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट उत्पादों की अपनी विस्तृत नई रेंज के लॉन्च की घोषणा की। यह लॉन्च कंपनी की विकास एवं विविधीकरण रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। बेयरिंग और उससे जुड़े इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स और सर्विसेज में अपनी मजबूत विरासत को आगे बढ़ाते हुए, एनबीसी बियरिंग्स अब ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट की कई हाई-पोटेंशियल कैटेगरी में कदम रख रही है। इनमें इनमें दोपहिया, तिपहिया व पैसेंजर कारों के लिए वाइपर ब्लेड्स, ब्रेक पैड्स, बेल्ट्स, स्टीयरिंग रॉड्स और कई अन्य जरूरी पार्ट्स शामिल हैं। यह रणनीतिक विस्तार, तेजी से बढ़ते भारतीय ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट की संभावनाओं का लाभ उठाते हुए, व्यापक ऑटोमोटिव समाधान उपलब्ध कराने के प्रति एनबीसी बियरिंग्स की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

इस मौके पर बोलते हुए, प्रेसिडेंट और सीईओ रोहित साबू ने कहा भारतीय ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिसकी वजह है गाड़ियों की बढ़ती संख्या, गाड़ियों का लंबा लाइफ-साइकल और अच्छी क्वालिटी वाले रिप्लेसमेंट पार्ट्स की बढ़ती मांग। इंजीनियरिंग में दशकों के अनुभव और भरोसेमंद ब्रांड होने के नाते, एनबीसी बियरिंग्स इस मौके का फायदा उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। हमारे ऑटो पार्ट्स पोर्टफोलियो का विस्तार हमारे बिजनेस को अलग-अलग क्षेत्रों में फैलाने, बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने और बियरिंग्स के अलावा विकास के नए रास्ते बनाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।

नए लॉन्च किए गए उत्पाद पोर्टफोलियो को उन कड़े गुणवत्ता, प्रदर्शन और विश्वसनीयता मानकों को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है, जिनके लिए ग्राहक एनबीसी ब्रांड पर भरोसा करते हैं। ये उत्पाद भारतभर में कंपनी के वितरण नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे डीलरों, वर्कशॉप्स और अंतिम ग्राहकों तक इनकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित होगी। यह विस्तार एनबीसी बियरिंग्स के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत कंपनी एक समग्र मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्रदाता के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने के साथ-साथ अपने चैनल पार्टनर्स और ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लॉन्च के साथ एनबीसी बियरिंग्स इनोवेशन, कस्टमर-सेंट्रिसिटी और सस्टेनेबल ग्रोथ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है, साथ ही भारत के तेजी से बदलते ऑटोमोटिव इकोसिस्टम में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाता है।

क्वेस कॉर्प ने IOM-UN Migration के साथ किया साझेदारी

भारत की सबसे बड़ी और वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्टाफिंग समाधान कंपनी क्वेस कॉर्प ने आज संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य विदेश में रोजगार की तलाश करने वाले श्रमिकों के लिए एक संगठित सहायता तंत्र विकसित करना है, जिसमें भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए सुरक्षित, नियमसम्मत और पारदर्शी प्रवासन मार्ग उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, निर्माण, लॉजिस्टिक्स और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में भारतीय और दक्षिण-पूर्व एशियाई कार्यबल की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले एक दशक में क्वेस ने 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वर्तमान में एशिया के विभिन्न बाजारों में 4.8 लाख से अधिक कर्मचारियों के कार्यबल का प्रबंधन कर रही है। भारत, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित अन्य वैश्विक बाजारों में अपनी उपस्थिति के साथ, क्वेस के पास सीमापार कार्यबल प्रबंधन का व्यापक अनुभव और परिचालन क्षमता है, जो एशिया में नैतिक श्रम गतिशीलता ढांचे को सुदृढ़ करने में सहायक होगी।

भारत विश्व के सबसे बड़े प्रवासी समुदायों में से एक है, जहाँ भारतीय मूल के 3.5 करोड़ से अधिक लोग दुनिया भर में निवास करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या प्रवासी श्रमिकों की है। वर्ष 2014 में शुरू की गई भारत सरकार की ई-माइग्रेट (e-Migrate) प्रणाली के माध्यम से अब तक 50 लाख से अधिक भारतीय श्रमिकों को, विशेषकर निम्न और अर्द्ध-कुशल श्रेणियों में, विदेशों में रोजगार प्राप्त हुआ है। यद्यपि भारत में भर्ती की एक विनियमित व्यवस्था मौजूद है, फिर भी विदेश मंत्रालय ने 3,000 से अधिक अनधिकृत भर्ती एजेंटों की पहचान की है, जिससे सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नैतिक प्रवासन व्यवस्था की आवश्यकता स्पष्ट होती है। क्वेस कॉर्प की व्यापक कार्यबल विशेषज्ञता और प्रवासन प्रबंधन में IOM के वैश्विक अनुभव को एक साथ लाकर यह पहल भ्रामक सूचनाओं के स्थान पर सत्यापित, सुरक्षित और नियमित प्रवासन मार्ग उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी। इस पहल के अंतर्गत टेली-माइग्रेंट रिसोर्स सेंटर (ळी'ी-टफ्छ) की स्थापना की जाएगी, जो एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन के रूप में कार्य करेगा और प्रवासन की पूरी प्रक्रिया के दौरान– दस्तावेजीकरण, कानूनी प्रक्रियाओं, शिकायत निवारण सहित कई भाषाओं में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इसके साथ ही प्रमुख क्षेत्रों में भौतिक सहायता केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को सरकार द्वारा अनुमोदित, सत्यापित जानकारी और सहायता सीधे उपलब्ध कराकर अनौपचारिक एजेंटों पर उनकी निर्भरता कम करना है। इस अवसर पर क्वेस कॉर्प के कार्यकारी निदेशक एवं समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लोहित भाटिया ने कहा स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, निर्माण और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कुशल एवं अर्द्ध-कुशल प्रतिभाओं की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में यह आवश्यक है कि कार्यबल की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही सुरक्षित, नैतिक और पारदर्शी व्यवस्थाओं के माध्यम से हो। भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख प्रतिभा केंद्र के रूप में उभर रहे हैं, और प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आर्थिक तथा सामाजिक–दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्व्ट इंडिया के साथ इस सहयोग के माध्यम से क्वेस एक ऐसे विश्वसनीय प्रवासन तंत्र के निर्माण में योगदान देना चाहता है, जो श्रमिकों को प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराए, उनके अधिकारों की रक्षा करे और उन्हें सम्मानजनक वैश्विक अवसरों तक पहुँचने में सक्षम बनाए।

IOM भारत एवं भूटान के प्रमुख, संजय अवस्थी ने कहा दुनिया भर में भारतीय मूल के 3.5 करोड़ से अधिक लोगों की उपस्थिति और केवल वर्ष 2025 में ही 4.8 लाख से अधिक भारतीयों को प्रवासन स्वीकृति (Emigration Clearance) मिलने के मद्देनजर, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमित प्रवासन मार्ग पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। IOM का मानना है कि सही जानकारी और विश्वसनीय सहायता प्रणाली प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा तथा उन्हें सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाने की आधारशिला है। क्वेस कॉर्प के साथ हमारी यह साझेदारी भारत में प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को केंद्र में रखते हुए नैतिक भर्ती प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बहुभाषी, सुलभ और श्रमिक-केंद्रित सहायता व्यवस्था के माध्यम से हम प्रवासियों को उनकी पूरी यात्रा के दौरान मार्गदर्शन प्रदान करना चाहते हैं। हमारा साझा उद्देश्य एक ऐसा प्रवासन तंत्र विकसित करना है जो अधिक सुरक्षित, समावेशी तथा गरिमा और संरक्षण के मूल्यों पर आधारित हो। प्रवासन प्रबंधन में IOM के वैश्विक अनुभव और विशेषज्ञता के मार्गदर्शन में यह पहल केवल एक सहायता सेवा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे प्रवासन चक्र को अधिक संगठित और पेशेवर बनाने वाला एक व्यापक तंत्र विकसित करेगी। यह मंच बहुभाषी और सुलभ सेवाओं के माध्यम से प्रस्थान-पूर्व परामर्श, रोजगार अनुबंधों का सत्यापन, वास्तविक समय में शिकायत दर्ज कराने तथा स्वदेश लौटने के बाद पुनर्वास संबंधी मार्गदर्शन जैसी सुविधाएँ प्रदान करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि डिजिटल संसाधनों तक सीमित पहुँच रखने वाले प्रवासी श्रमिक भी किसी विश्वसनीय सहायता प्रणाली से वंचित न रहें।

साथ ही, हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त जानकारियाँ उभरते रुझानों की पहचान करने और भविष्य में सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं नियमित प्रवासन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक हस्तक्षेपों की योजना तैयार करने में भी सहायक होंगी।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं : अद्रिजा रॉय

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। 'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा कि मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है। किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अच्छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं।

लोक पर्व हरेला खुशहाली का प्रतीक

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का देता है संदेश

देहरादून, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड अपनी समृद्ध लोक परंपराओं, कृषि संस्कृति और प्रकृति से गहरे जुड़ाव के लिए जाना जाता है। राज्य के पारंपरिक त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक एकता और प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संदेश भी देते हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र का प्रमुख लोक पर्व 'हरेला' हरियाली, खुशहाली और नए कृषि सत्र की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। यह राज्य के सबसे महत्वपूर्ण पारंपरिक त्योहारों में से एक है। इस वर्ष हरेला पर्व 16 जुलाई को मनाया जाएगा।

सावन महीने की शुरुआत में मनाया जाने वाला हरेला पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। कुमाऊं क्षेत्र में लोग इस त्योहार को पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं। धार्मिक महत्व के साथ-साथ यह पर्व पर्यावरण संरक्षण, जंगलों की रक्षा, जैव विविधता को बचाने और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का संदेश भी देता है।

नैनीताल के डीएसबी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. ललित तिवारी ने कहा कि हरेला वृक्षों, जंगलों और पर्यावरण के प्रति स्नेह और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है।

- भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित
- सावन शुरू होने से नौ-दस दिन पहले ही शुरू होती है तैयारी

उनके अनुसार, यह त्योहार लोगों को प्रकृति के साथ संतुलन में रहने का महत्व सिखाता है और समुदायों तथा उनके प्राकृतिक परिवेश के बीच संबंधों को मजबूत करता है। हरेला पर्व की तैयारियां सावन शुरू होने से करीब नौ-दस दिन पहले ही शुरू हो जाती हैं। इस दौरान परिवार रिंगल (स्थानीय बांस) से बनी टोकरियों या मिट्टी के बर्तनों में हरेला के बीज बोते हैं। बीज बोने से पहले टोकरियों में तिमिल और मालू के पत्तों की परत बिछाई जाती है, फिर उसमें मिट्टी भरकर बीज डाले जाते हैं। इसके बाद टोकरी में पांच या सात तरह के अनाज के बीज बोए जाते हैं। इनमें आमतौर पर जौ, गेहूं, धान, मक्का, गहत, सरसों, उड़द और भट्ट (काला सोयाबीन) शामिल होते हैं। कुछ ही दिनों में इन बीजों से हरे-भरे अंकुर निकल आते हैं।

ये अंकुर अच्छी फसल, खुशहाली और उत्तराखंड की समृद्ध प्राकृतिक और जैव विविधता के प्रतीक माने जाते हैं। सावन के पहले दिन, जब कोंपलें पूरी तरह से उग जाती हैं, तो हरेला की कटाई की जाती है। इसे सबसे पहले कुल देवता को कृतज्ञता और भक्ति के प्रतीक के रूप में अर्पित किया जाता है। इसके बाद, घर के बड़े-बुजुर्ग सभी परिवार के सदस्यों के लिए पारंपरिक हरेला अनुष्ठान करते हैं।

पहलवान डॉली राणा ने राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप में जीता कांस्य पदक

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। महिला पहलवान डॉली राणा ने हरियाणा में चल रही अंडर-23 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया हैं। चैंपियनशिप में पहलवान उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। पदक जीतने पर परिवार, अकादमी व क्षेत्र में खुशी का माहौल हैं।

हरियाणा के रोहतक स्थित महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में वह 9 से 12 जुलाई तक इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं। प्रतियोगिता में कई राज्यों के पहलवान भाग ले रहे हैं और अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉली राणा दादरी स्थित राजतपुर बिसाहड़ा गांव निवासी हैं। वह दादरी के धूम मानिकपुर गांव स्थित नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन कुश्ती अकादमी में कोच रवि गुर्जर की निगरानी में रोजाना कुश्ती के गुर सीखती हैं।

- कुश्ती अकादमी में कोच रवि गुर्जर की निगरानी में रोजाना कुश्ती के सीखती हैं गुर
- प्रतियोगिता में कई राज्यों के पहलवान ले रहे हैं भाग

कोच ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए डॉली का चयन गोंडा के नंदिनी नगर में 28 जून को आयोजित हुई राष्ट्रीय स्तरीय चयन प्रक्रिया में स्वर्ण पदक जीतने के आधार पर हुआ था। चयन प्रक्रिया में देशभर के विभिन्न राज्यों से पहुंचे पहलवानों ने हिस्सा लिया था। डॉली की मेहनत व लगन को देखते हुए उन्होंने उम्मीद है कि पहलवान एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगी। डॉली के कांस्य पदक जीतने पर संघ के अध्यक्ष सतपाल यादव, संरक्षक चतर सिंह, नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के अध्यक्ष डॉ. सुशील राजपूत, रंजीत पहलवान, कोषाध्यक्ष संतराम भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परीक्षित नागर आदि ने बधाई दी है।

फोर्टिस मानेसर में जटिल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद 103-वर्षीय महिला मरीज दोबारा अपने पैरों पर चलने-फिरने में बनी समर्थ

मानेसर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। 103 साल की उम्र में किसी भी बुजुर्ग के लिए इससे बुरा क्या हो सकता है कि वह अचानक वॉशरूम में गिर जाएं और कूल्हे में फ्रैक्चर हो जाए, जिसके बाद अगले करीब एक माह तक उनकी जिंदगी बिस्तर तक सिमटकर रह जाए। लेकिन, फोर्टिस मानेसर के डॉक्टरों ने असाधारण धैर्य और उन्नत मेडिकल क्षमताओं का परिचय देते हुए, उक्त बुजुर्ग मरीज की जटिल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी को पूरा कर उन्हें कुछ ही हफ्तों में न सिर्फ उनकी मोबिलिटी लौटायी बल्कि चलने-फिरने में भी आत्मनिर्भर बनाया। डॉ रोहित लांबा, डायरेक्अर - ऑर्थोपिडिक्स, फोर्टिस

हॉस्पीटल मानेसर, के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने इस सर्जरी के लिए एडवांस इंप्लांट तकनीक का इस्तेमाल किया जो दरअसल, बुजुर्ग मरीजों के मामलों में सर्जरी के जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से खासतौर से तैयार की गई है.इस मामले में, बुलंदशहर की श्रीमती रहमत अनीशा अपने बाथरूम में गिर गई थीं जिसके कारण उनके कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। इस प्रकार के फ्रैक्चर बुजुर्गों के लिए काफी जोखिम भरे साबित होते हैं, खासतौर से यदि मरीज ऑस्टियोपोरोसिस से भी पीड़ित हों तो स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, और इस वजह से वे लंबे समय तक चलने-फिरने लायक नहीं रहते और सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। मरीज की अधिक उम्र और सर्जरी से जुड़े जोखिमों के मद्देनज़र, उनके होमटाउन में अस्पतालों ने उनका इलाज करने से इंकार कर दिया था, जिसकी वजह से वह करीब एक महीने तक बिस्तर में सिमटकर रहने को मजबूर हो गई थीं। इस दौरान वह काफी दर्द भी झेलने को मजबूर थीं। तब गुरुग्राम में उनके कुछ रिश्तेदारों ने फोर्टिस मानेसर में स्पेश्यलिस्ट डॉक्टरों से इस बारे में सलाह-मश्विरा किया, और उनकी विस्तृत जांच के बाद एडवांस उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

फोर्टिस हॉस्पीटल, मानेसर में भर्ती होने के बाद, मरीज की कई तरह की मेडिकल जांच हुई और रिस्क ऑप्टीमाइज़ेशन के बाद, डॉ रोहित लांबा के नेतृत्व में ऑर्थोपिडिक टीम ने उन्हें स्पाइनल एनेस्थीसिया देकर उनकी राइट मॉड्यूलर बाइपोलर हेमीआर्थोप्लास्टी को सफलतापूर्वक पूरा किया।

शेरनियों के बीच हुई एक अप्रत्याशित घटना

नीरजा ने काटी राधिका की पूंछ

इटावा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा सफारी पार्क के ब्रीडिंग सेंटर में शुक्रवार को शेरनियों के बीच हुई एक अप्रत्याशित घटना ने वन्यजीव अधिकारियों को भी हैरान कर दिया। एक बाड़े में मौजूद शेरनी नीरजा ने बगल के सेल में रह रही शेरनी राधिका की पूंछ का हिस्सा काट लिया, जिससे राधिका घायल हो गई। इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने बताया कि घटना ब्रीडिंग सेंटर के नाइट सेल में हुई। शेरनी राधिका अपने बाड़े में आराम कर रही थी। इस दौरान उसकी पूंछ दीवार अथवा जाली के सहारे बगल के सेल में चली गई, जहां शेरनी नीरजा मौजूद थी। उन्होंने बताया कि अपने क्षेत्र में दूसरी शेरनी की पूंछ देखकर नीरजा आक्रामक हो गई और उसने अचानक हमला करते हुए अपने मजबूत जबड़ों से राधिका की पूंछ का एक हिस्सा काट लिया। घटना के बाद सफारी प्रशासन में हड़कंप मच गया। वन्यजीव चिकित्सकों ने तत्काल राधिका का उपचार शुरू किया। बेहतर चिकित्सीय देखभाल के लिए मथुरा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय से वन्यजीव विशेषज्ञों की एक टीम को भी इटावा बुलाया गया है। डॉ. पटेल ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम घायल शेरनी की स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रख रही है और उसके उपचार के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से जवाब-तलब किया गया है तथा ब्रीडिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है।

चिकित्सकों ने तत्काल राधिका का उपचार शुरू किया

एडवांस्ड रोबोटिक व्हिपल सर्जरी कर 65 वर्षीय महिला को मिला नया जीवन

पेट दर्द व पीलिया की शिकायत लेकर पहुंची थी महिला, जांच में पता चला पित्त नली का कैंसर

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली सफल रोबोटिक व्हिपल सर्जरी कर 65 वर्षीय महिला को नया जीवन दिया। प्रयागराज निवासी मरीज को लगातार पेट दर्द और पीलिया की शिकायत थी। जांच में उन्हें डिस्टल बाइल डक्ट कैंसर (पित्त नली का कैंसर) होने का पता चला। साथ ही उनकी हृदय की कार्यक्षमता भी कमजोर थी, जिससे यह सर्जरी अत्यंत जटिल और उच्च जोखिम वाली बन गई थी। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को डॉ. मनोज गुप्ता, सीनियर डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्ष-रोबोटिक एवं लेप्रोस्कोपिक जीआई सर्जरी, जीआई ऑन्कोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट, तथा उनकी टीम ने लेटेस्ट रोबोटिक तकनीक की सहायता से सफलतापूर्वक पूरा किया। ऑपरेशन के बाद मरीज की रिकवरी सामान्य रही और अब वह स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी रही हैं। मरीज अस्पताल में लगातार पेट दर्द और पीलिया की समस्या लेकर पहुंची थीं।

विस्तृत जांच और आधुनिक इमेजिंग तकनीकों से यह पुष्टि हुई कि उन्हें डिस्टल बाइल डक्ट कैंसर है। मरीज की उम्र और कमजोर हृदय की स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञों ने पारंपरिक ओपन सर्जरी की बजाय रोबोटिक सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे सर्जरी अधिक सुरक्षित, सटीक और कम जोखिम वाली हो सके। व्हिपल सर्जरी को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक माना जाता है। इसमें अग्न्याशय (पैंक्रियास), पित्त नली और छोटी आंत के आसपास के प्रभावित हिस्सों को हटाकर दोबारा जोड़ना पड़ता है।

पहले यह सर्जरी बड़े चीरे के माध्यम से की जाती थी, लेकिन रोबोटिक तकनीक की मदद से अब इसे छोटे चीरे के जरिए अधिक सटीकता और बेहतर नियंत्रण के साथ किया जा सकता है। इस सफलता पर डॉ. मनोज गुप्ता ने कहा कि यह बेहद चुनौतीपूर्ण मामला था क्योंकि मरीज को डिस्टल बाइल डक्ट कैंसर के साथ-साथ हृदय की गंभीर समस्या भी थी। ऐसे मामलों में सर्जरी का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

दिलीप कुमार की दीवानी थीं टुन टुन, पहली फिल्म के लिए रखी थी ये खास शर्त

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदी सिनेमा की एक कलाकार टुन टुन, जिनका असली नाम उमा देवी खत्री था, पर्दे पर आते ही अपने चेहरे के एक्सप्रेशन, बोलने के तरीके और शानदार कॉमिक टाइमिंग से लोगों को हंसने पर मजबूर कर देती थी। हालांकि, उनका सफर संघर्षों से भरा रहा। वह एक गायिका बनने का सपना लेकर फिल्मी दुनिया में आईं थी लेकिन बाद में उन्होंने कॉमेडी की दुनिया में ऐसा मुकाम बनाया कि उन्हें हिंदी सिनेमा की पहली महिला कॉमेडियन कहा जाने लगा। दिलचस्प बात यह भी है कि अभिनय की शुरुआत से पहले उनकी एक खास इच्छा थी कि वह अपनी पहली फिल्म अपने पसंदीदा अभिनेता दिलीप कुमार के साथ करें।

टुन टुन का जन्म 11 जुलाई 1923 को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के पास एक छोटे से गांव में हुआ था। उनका बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में गुजरा। जब वह बहुत छोटी थीं, तभी जमीन विवाद के चलते उनके माता-पिता की हत्या कर दी गई। इसके कुछ समय बाद उनके भाई की भी मौत हो गई। माता-पिता और भाई को खोने के बाद टुन टुन का बचपन रिश्तेदारों के सहारे बीता लेकिन वहां भी उन्हें प्यार और आराम की जिंदगी नहीं मिली।

बचपन से ही टुन टुन को संगीत से बहुत लगाव था। उनके पास संगीत की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं थी, लेकिन वह रेडियो पर गाने सुनकर उनका अभ्यास करती थीं। उनकी आवाज में एक अलग मिठास थी। वह हमेशा से चाहती थीं कि वह मुंबई जाकर गायिका बनें और अपनी पहचान बनाएं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने संघर्षों के बावजूद हिम्मत नहीं छोड़ी।

पैक्समून सम्मेलन में वैश्विक मुद्दों पर गूंजी युवाओं की आवाज

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, गामा-दो में दो दिवसीय पैक्समून-2026 का सफल आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार रखने, दूसरों के दृष्टिकोण को समझने और सार्थक चर्चा में भाग लेने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।

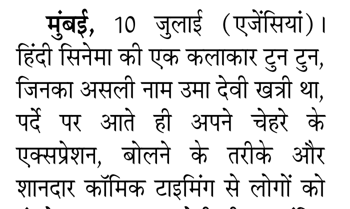

दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के 355 प्रतिभागियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा, मानवाधिकार परिषद, महिला परिषद, जलवायु परिवर्तन परिषद, लोकसभा, अखिल भारतीय राजनीतिक दलों की बैठक तथा अंतरराष्ट्रीय प्रेस सहित विभिन्न समितियों में प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण, नस्लीय भेदभाव, चुनाव सुधार, युद्ध समाधान नहीं, नागरिकता, पर्यावरण संरक्षण और अन्य समसामयिक विषयों पर गंभीरता से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने तथ्यों और शोध के आधार पर चर्चा करते हुए अनेक उपयोगी सुझाव और समाधान भी सामने रखे। यह सम्मेलन प्रतिभागियों के लिए सीखने और अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक सशक्त मंच बना। इससे उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, तार्किक सोच, सहयोग की भावना और प्रभावी संवाद कौशल का विकास हुआ। पैक्समून-2026 प्रतिभागियों के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव रहा। इस सम्मेलन ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि समस्याओं का समाधान संवाद, सहयोग और सकारात्मक सोच से खोजा जा सकता है। साथ ही, इसने प्रतिभागियों को जागरूक, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा रॉय ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व, सहयोग और उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन शैक्षणिक को-ऑर्डिनेटर अभिषेक दुबे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

एम्स पटना ने रचा चिकित्सा नवाचार का नया इतिहास

मस्तिष्क सर्जरी के लिए विकसित किया स्वदेशी पेटेंटेड उपकरण

पटना,10 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना के न्यूरोसर्जरी विभाग ने चिकित्सा नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मस्तिष्क की न्यूनतम चीरे वाली (मिनिमली इनवेसिव) सर्जरी के लिए एक स्वदेशी पेटेंटेड ट्यूबुलर ब्रेन रिट्रैक्टर विकसित किया है। यह अत्याधुनिक उपकरण एंडोस्कोपिक ब्रेन सर्जरी के साथ साथ न्यूरोनेविगेशन और रोबोटिक तकनीक से भी आसानी से जुड़ सकता है जिससे बेहद छोटे चीरे के माध्यम से अत्यधिक सटीक मस्तिष्क सर्जरी संभव होगी।

यह नवाचार मस्तिष्क के गहरे हिस्सों में स्थित ट्यूमर, ब्रेन हैमरेज तथा कुछ जटिल रीढ़ संबंधी रोगों के उपचार को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, कम जटिल और किफायती बनाएगा।

- छोटे चीरे के माध्यम से अत्यधिक सटीक मस्तिष्क सर्जरी संभव
- ब्रेन सर्जरी की कुल लागत में 30-40 प्रतिशत तक कम

पारंपरिक ओपन ब्रेन सर्जरी में जहां खोपड़ी में बड़ा चीरा लगाना पड़ता है और स्वस्थ मस्तिष्क ऊतकों पर अधिक प्रभाव पड़ता है, वहीं यह स्वदेशी उपकरण अत्यंत संकरे मार्ग से रोगग्रस्त हिस्से तक पहुंचकर स्वस्थ ऊतकों को न्यूनतम क्षति पहुंचाता है। इस तकनीक से मरीजों को छोटा ऑपरेशन घाव, कम रक्तस्राव, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहने, न्यूरोलॉजिकल जटिलताओं के कम जोखिम तथा सामान्य जीवन में जल्दी वापसी जैसे अनेक लाभ मिलेंगे।

इस उपकरण की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुउपयोगिता है। सर्जरी की आवश्यकता के अनुसार इसे फ्लोटिंग और फिक्स्ड दोनों प्रकार के ट्यूबुलर रिट्रैक्टर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही, न्यूरोनेविगेशन और रोबोटिक प्लेटफॉर्म के साथ इसका समन्वय सर्जनों को 1-2 मिलीमीटर की सटीकता के साथ ऑपरेशन करने में सक्षम बनाता है जो मस्तिष्क जैसी संवेदनशील संरचनाओं की सर्जरी में अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूरी तरह भारत में विकसित यह स्वदेशी उपकरण आयातित उपकरणों की तुलना में 80-90 प्रतिशत तक कम लागत में तैयार किया जा सकता है। इससे न्यूनतम चीरे वाली ब्रेन सर्जरी की कुल लागत में 30-40 प्रतिशत तक कमी आने की संभावना है जिससे अत्याधुनिक न्यूरोसर्जरी देश के अधिक से अधिक मरीजों की पहुंच में आ सकेगी। इस अभिनव ट्यूबुलर ब्रेन रिट्रैक्टर का पेटेंट भारत सरकार द्वारा डॉ. विकास चंद्र झा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स पटना को प्रदान किया गया है। इसके तकनीकी डिजाइन, सुरक्षा और चिकित्सीय प्रभावशीलता पर आधारित शोध एक अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त जर्नल में भी प्रकाशित हो चुका है जो इसकी वैज्ञानिक विश्वसनीयता और वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। इस परियोजना की परिकल्पना और नेतृत्व डॉ. विकास चंद्र झा ने किया। इस नवाचार को साकार करने में न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. नितीश, डॉ. विवेक सारण सिन्हा, डॉ. गौरव, डॉ. राहुल और डॉ. संगम के साथ-साथ एनेस्थीसियोलॉजी विभाग तथा संस्थान प्रशासन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिग) डॉ. राजू अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की भावना को सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि एम्स पटना भविष्य में भी ऐसे स्वदेशी, विश्वस्तरीय और किफायती चिकित्सा उपकरणों के विकास को प्रोत्साहित करता रहेगा, जिससे मरीजों की सुरक्षा बढ़े, उपचार अधिक प्रभावी बने और स्वास्थ्य सेवाएं आमजन तक कम लागत में पहुंच सकें।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इटरनल	0.89 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.49 प्रतिशत
सनफार्मा	0.19 प्रतिशत
ट्रेंट	0.04 प्रतिशत
आईटीसी	0.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,950
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,26,108
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.55	93.48
पौड स्टर्लिंग	129.93	125.33
यूरो	110.71	106.56
चीन युआन	14.96	13.24

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

रेलवे ने 175 करोड़ रुपए की परियोजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय रेलवे ने रायपुर में 250 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अतिरिक्त होमिंग सुविधाएं बनाने के लिए 175 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। यह जानकारी रेल मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी

- **रायपुर में 250 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अतिरिक्त होमिंग सुविधाएं बनाने की तैयारी**
- **रेलवे को रायपुर डिपो में मौजूदा बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करने में मिलेगी मदद**

गई। रेल मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह लोकोमोटिव रखरखाव अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के रायपुर स्थित हाई हॉर्स पावर (एचएचपी) डीजल शेड में 250 थ्री फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अतिरिक्त होमिंग सुविधाएं बनाने के उद्देश्य से 175 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई है।

होमिंग का मतलब किसी लोकोमोटिव को एक निर्दिष्ट लोकोमोटिव शेड में जगह देने से है, जो उसके प्राथमिक रखरखाव केंद्र के रूप में कार्य करता है। होमिंग शेड की सुविधा लोकोमोटिव के निर्धारित रखरखाव, सुरक्षा निरीक्षण, मरम्मत और समग्र देखभाल के लिए होती है ताकि उसका सुरक्षित और कुशल संचालन सुनिश्चित हो सके।

यह परियोजना भारतीय रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव बेड़े के तेजी से विस्तार और पूरे नेटवर्क में माल ढुलाई तथा यात्री परिचालन में वृद्धि के अनुरूप रखरखाव बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के तहत स्वीकृत की गई है। इन अतिरिक्त होमिंग सुविधाओं से भारतीय रेलवे को रायपुर डिपो में मौजूदा बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी, साथ ही भविष्य में तकनीकी विस्तार के लिए आवश्यक स्थान भी उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, इस महीने की शुरुआत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है। अगले साल सूरत से बिलिमोरा तक का पहला सेक्शन चालू हो जाएगा, इसके बाद वापी से सूरत वाला सेक्शन शुरू होगा। फिर वापी से अहमदाबाद वाला सेक्शन पूरा किया जाएगा। इसके बाद अहमदाबाद से ठाणे और आखिर में अहमदाबाद से मुंबई वाले सेक्शन पर काम होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट 2029 तक अलग-अलग सेक्शन और चरणों में पूरा हो जाएगा। गुजरात इलाके में लगभग 80 प्रतिशत काम पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, 'शहर के अंदर बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य बहुत जटिल है। कई जगहों पर रेलवे ट्रैक को पार करना होगा और कई स्थानों पर मौजूदा रेलवे लाइनों के ऊपर बने फ्लाईओवर को भी पार करना होगा। कई जगहों पर डबल क्रॉसिंग की जरूरत है, जिससे यह तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

680 किलोमीटर मार्ग पर 'कवच 4.0' लगाने की मंजूरी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल में रेवाड़ी-दिल्ली और शकूरबस्ती-बठिंडा खंड के 680 किलोमीटर मार्ग पर 'कवच 4.0' लगाया जाएगा। रेलवे ने इसके लिए 206 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।

- **भारत में ही विकसित स्वचालित ट्रेन संरक्षण (एटीपी) प्रणाली है 'कवच'**

रेलवे ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल रेवाड़ी-दिल्ली और शकूरबस्ती-बठिंडा सेक्शन (जिसमें फीडर ब्रांच लाइनें भी शामिल हैं) के 680 किलोमीटर मार्ग पर 'कवच वर्ज़न 4.0' लगाने को मंजूरी दी है। यह परियोजना 206 करोड़ रुपए की है। रेलवे के अनुसार यह परियोजना देशभर में 'कवच' को लागू करने की चल रही योजना का हिस्सा है। इसका मकसद अधिक यातायात वाले और रणनीतिक रूप से अहम मार्गों पर इस स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली का विस्तार करना है। गौरतलब है कि 'कवच' भारत में ही विकसित स्वचालित ट्रेन संरक्षण (एटीपी) प्रणाली है। इसे 'सिग्नल पास्ड एट डेंजर' (एसपीएडी) की घटनाओं यानी ट्रेन के बिना अनुमति के लाल सिग्नल को पार करने की घटनाओं और ट्रेनों की टक्कर की घटना को रोकने, रेलवे सुरक्षा को काफी बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह प्रणाली लगातार ट्रेनों की आवाजाही पर नज़र रखती है, ज़रूरत पड़ने पर अपने-आप ब्रेक लगाती है।

जींद-सोनीपीत के बीच जल्द दौड़ने लगेगी हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली। हरियाणा में जींद से सोनीपत के बीच जल्द ही हाइड्रोजन ट्रेन का परिचालन जल्द शुरू होगा।

- **ट्रेन संख्या 74010/74009 को मिली मंजूरी**

रेल मंत्रालय ने उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के अंतर्गत आने वाले इन दोनों स्टेशनों के बीच ट्रेन संख्या 74010/74009 की सेवा शुरू करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। रेलवे के अनुसार जींद-सोनीपीत-जींद ट्रेन जींद शहर, पांडु पिंडारा, ललित खेड़ा, भंबेवा, ईशापुर खीरी, बुटाना, खंदराई, गोहाना, राभड़ा, लाठ, मोहना हरियाणा, बड़वासनी स्टेशनों पर रुकेगी।

सोने-चांदी का दाम करीब आधा प्रतिशत फिसला

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को लाल निशान में हुई और इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत कम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,45,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 410 रुपए प्रति 10 ग्राम या 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,890 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

शुरुआती कारोबार के दौरान इसमें और गिरावट देखी गई। यह सुबह 10 बजे 696 रुपए प्रति 10 ग्राम या 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,603 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। सोने के साथ चांदी में भी गिरावट देखने को मिली, हालांकि, यह काफी सीमित थी। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,26,377 रुपए प्रति किलो के मुकाबले करीब सपाट 2,26,368 रुपए प्रति किलो पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह 244 रुपए प्रति किलो या 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,26,133 रुपए प्रति किलो पर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है।

एसबीआईई फंड्स को नहीं मिल रहे पुराने दस्तावेज, आरएचपी में हुआ खुलासा

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीओ लाने जा रही कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने अपनी रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में बताया कि वह अपने कुछ पुराने रिकॉर्ड्स को खोज नहीं पा रहा है। साथ ही, निवेशकों से कहा है कि हम इन दस्तावेजों को लेकर भरोसा नहीं दे सकते हैं कि कंपनी पर इस मामले में भविष्य में कोई एक्शन नहीं होगा। एसबीआई फंड्स ने आरएचपी में कहा कि हम 30 जून, 1992 को जारी किए गए अतिरिक्त इश्यू और 7 नवंबर, 1997 को लाए गए राइट्स इश्यू से जुड़े ऑफर लेटर और अलॉटमेंट लेकर को खोज नहीं पा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि इसे लेकर उसने स्वतंत्र कंपनी सेक्रेटरी फर्म मनीष घिया एंड एसोसिएट्स को नियुक्त किया था। उसने कंपनी के रिकॉर्ड्स को लेकर रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी), कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) के पोर्टल पर उपलब्ध डिजिटल रिकॉर्ड्स और हमारे पंजीकृत कार्यालय में मौजूद रिकॉर्ड और अन्य की जांच की, लेकिन दस्तावेज नहीं मिले हैं।

> **हम इन दस्तावेजों को लेकर भरोसा नहीं दे सकते हैं कि कंपनी पर इस मामले में भविष्य में कोई एक्शन नहीं होगा : एसबीआई फंड्स**

कंपनी ने स्पष्ट किया कि इस आरएचपी की तिथि तक, उपलब्ध न होने वाली दस्तावेजों के संबंध में हमारी कंपनी के खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही या नियामकीय कार्रवाई शुरू नहीं की गई है।

हालांकि, हम यह आश्वासन नहीं दे सकते कि भविष्य में गुम या पता न चल पाने वाली दस्तावेजों और कॉरपोरेट रिकॉर्ड्स के संबंध में हमारी कंपनी के विरुद्ध ऐसी कोई कानूनी या नियामकीय कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी।

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फारेक्स रिजर्व) 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.193 अरब डॉलर पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले सप्ताह आई गिरावट के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्टिंग सप्ताह के दौरान भारत के सोने का भंडार (गोल्ड रिजर्व्स) का मूल्य भी 2.669 अरब डॉलर बढ़कर 105.205 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में भी 6.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.623 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले, 26 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटकर 666.93 अरब डॉलर रह गया था।

अडानी एंटरप्राइजेज का फ्रांस की कंपनी से करार

अहमदाबाद। अडानी समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और रासायनिक विनिर्माण में विशेषज्ञता रखने वाली फ्रांस की स्वच्छ-प्रौद्योगिकी कंपनी डायॉक्सीकल ने शुक्रवार को कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम करते हुए रसायनों के उत्पादन के लिए दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की। इस पहल की शुरुआत अडानी समूह की एक साइट पर स्थापित किए जाने वाले पायलट संयंत्र से होगी। इस संयंत्र में कैप्चर किए गए कार्बन डाइऑक्साइड और नवीकरणीय बिजली का उपयोग करके फॉर्मिक एसिड का उत्पादन किया जायेगा। यदि यह परीक्षण सफल रहा और इस्तेमाल की गई तकनीक का सत्यापन हो गया तो दोनों कंपनियां वाणिज्यिक स्तर पर इसके विस्तार करेंगी। फॉर्मिक एसिड और इसके निर्माण में बने सह-उत्पादों का व्यापक उपयोग वस्त्र, कृषि और विनिर्माण सहित कई उद्योगों में किया जाता है।

रेनो इंडिया का आईआईटी कानपुर से करार

नई दिल्ली। फ्रांस के रेनो ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय इकाई रेनो इंडिया ने अपने वाहनों के डिजाइन और बेहतर करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य देश में वाहन अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को सशक्त बनाना है। इसके तहत रेनो इंडिया अपने यात्री वाहनों के लिए उन्नत एयरोडायनामिक और विंड-नॉइज़ (वायु शोर) परीक्षण करने के लिए आईआईटी कानपुर की नेशनल विंड टनल फैसिलिटी (एनडब्ल्यूटीएफ) का उपयोग करेगी। कंपनी का कहना है कि यह सहयोग रेनो की वैश्विक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और भारत की सबसे आधुनिक परीक्षण एवं अनुसंधान सुविधाओं में से एक को एक साथ लाता है। इससे बेहतर ईंधन दक्षता, सुरक्षा और प्रदर्शन वाले वाहनों के विकास को गति मिलेगी।

लिवाली की बदौलत बाजार में तेजी बरकरार

- **सेंसेक्स 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,569.39 अंक पर रहा**
- **निफ्टी 1.02 प्रतिशत चढ़कर 24,206.90 अंक पर बंद**
- **एफएमसीजी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में रही तेजी**

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। आईटी, बैंकिंग तथा अन्य सेक्टरों में हुई लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 827.57 अंक (1.08 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,569.39 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 244.10 अंक यानी 1.02 प्रतिशत चढ़कर 24,206.90 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन मजबूत बंद हुए हैं। बुधवार को हालांकि दो प्रतिशत से अधिक टूटने के कारण ये साप्ताहिक गिरावट में रहे हैं।

बाजार में आज चौतरफा लिवाली रही। मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.20 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.55 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। एफएमसीजी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही। आईटी, बैंकिंग, वित्त, रियल्टी, धातु, तेल एवं गैस, रसायन और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों से सूचकांक अच्छी बढ़त में रहे।

एनएसई में जिन 3,410 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,339 के शेयर हरे निशान में और 973 के लाल निशान में बंद हुए। अन्य 98 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंतत: अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयरों में तेजी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.28 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। बीईएल का शेयर 2.19 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 2.18, एक्सिस बैंक का 1.91, टाटा स्टील का 1.78, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.72, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस दोनों के 1.71, अडानी पोर्ट्स का 1.60, इंडिगो का 1.58 और एलएंडटी का 1.52 प्रतिशत चढ़ा।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.44 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा के 1.42, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.14, बजाज फिनसर्व का 1.12 और टीसीएस का 1.04 प्रतिशत मजबूत हुआ। मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड और टाइटन में भी तेजी रही। इटरनल, भारती एयरटेल और सन फार्मा के शेयर टूट गए।

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.20 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.60 प्रतिशत की तेजी में रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट एक फीसदी टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.08 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.06 प्रतिशत ऊपर है।

झारखंड ने उद्योग, डिजिटल परिवर्तन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए समझौतों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हितधारक परामर्श के समापन सत्र के दौरान आज झारखंड सरकार ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई है। इस ऐतिहासिक अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में कुल 14 सहमति पत्रों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके माध्यम से राज्य में 99,639 करोड़ का भारी-भरकम प्रस्तावित औद्योगिक निवेश आकर्षित हुआ है। उद्योग विभाग के अंतर्गत देश की अग्रणी कंपनियों के साथ ऐतिहासिक निवेश समझौतों को अंतिम रूप दिया गया। इनमें मुख्य रूप से मेसर्स जिंदल स्टील लिमिटेड द्वारा 40,000 करोड़ और मेसर्स जिंदल न्यूक्लियर पावर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 30,000 करोड़ के निवेश समझौते शामिल हैं। ये विशाल निवेश झारखंड की विकास क्षमता और राज्य सरकार की नीतियों के प्रति निवेशकों के अटूट विश्वास को दर्शाते हैं। उद्योग विभाग के अंतर्गत देश की अग्रणी कंपनियों के साथ ऐतिहासिक निवेश समझौते संपन्न हुए। इनमें मेसर्स जिंदल स्टील लिमिटेड द्वारा 40,000 करोड़, मेसर्स जिंदल न्यूक्लियर पावर प्राइवेट लिमिटेड-(एम्बिशियस सीमेंट) द्वारा 30,000 करोड़, मेसर्स रुंगटा सन्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10,000 करोड़, मेसर्स टाटा स्टील लिमिटेड द्वारा हिसारना टेक्नोलॉजी परियोजना के लिए 7,000 करोड़ तथा टिनप्लेट विस्तार परियोजना के लिए 2,600 करोड़, मेसर्स अमलगम स्टील एंड पावर लिमिटेड द्वारा 4,980 करोड़, मेसर्स रुंगटा माइंस लिमिटेड द्वारा 3,000 करोड़, मेसर्स अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (एपीजेएल पावर प्लांट), अदाणी समूह की इकाई द्वारा 1,000 करोड़, मेसर्स जिंदल रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 650 करोड़ तथा मेसर्स वरुण बेवरेजेज द्वारा 409 करोड़ के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। इन निवेशों से राज्य में औद्योगिक विकास को गति मिलने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

भारत की गोडावन बनी 'सिंगल माल्ट ऑफ द ईयर' और 'स्पिरिट ऑफ द ईयर' 2026 की विजेता

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान स्थित गोडावन डिस्टिलरीज की गोडावन आर्टिजनल सिंगल माल्ट व्हिस्की ने अमेरिका के शिकागो में आयोजित बारटेंडर स्पिरिट्स अवॉर्ड्स 2026 में दो प्रतिष्ठित सम्मान अपने नाम किए हैं। गोडावन 02 फ्रूट एंड स्पाइस को 'स्पिरिट ऑफ द ईयर - इंडिया' और 'इंडियन सिंगल माल्ट व्हिस्की ऑफ द ईयर' का खिताब मिला है। इन उपलब्धियों के साथ ब्रांड के इंटरनेशनल अवार्ड्स की कुल संख्या 125 से अधिक हो गई है। स्पिरिट ऑफ द ईयर - इंडिया अवार्ड, सभी कैटेगरीज में भारतीय स्पिरिट्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली स्पिरिट को दिया जाता है। यह प्रतियोगिता का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है, जो समग्र प्रदर्शन के आधार पर सर्वोच्च रैंक हासिल करने वाली भारतीय स्पिरिट को प्रदान किया जाता है।इन दोनों अवार्ड्स के अलावा, गोडावन 02 फ्रूट एंड स्पाइस को डबल गोल्ड मेडल भी मिला, जबकि गोडावन 01 रिच एंड राउंडेड को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। ये अवार्ड्स गोडावन की व्हिस्की की क्वालिटी और कंसिस्टेंसी की पुष्टि करते हैं।

बारटेंडर स्पिरिट्स अवॉर्ड्स का आयोजन बेवरेज ट्रेड नेटवर्क द्वारा किया जाता है। यह दुनिया की चुनिंदा प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसमें जजिंग उन विशेषज्ञों द्वारा की जाती है जो प्रतिदिन स्पिरिट्स के साथ काम करते हैं, जैसे बारटेंडर, बार मैनेजर और हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए डियाजियो इंडिया के चीफ इनोवेशन ऑफिसर विक्रम दामोदरन ने कहा, 'हमारा हमेशा से मानना रहा है कि किसी भी व्हिस्की की असली पहचान उसकी गुणवत्ता और स्वाद से होती है। शुरुआत से ही हमारा लक्ष्य ऐसी बेहतरीन सिंगल माल्ट तैयार करना था, जो दुनिया की श्रेष्ठ व्हिस्कियों के साथ मजबूती से अपनी जगह बना सके।

ई20 पेट्रोल की ओर बदलाव वर्षों के परीक्षण व विचार-विमर्श का परिणाम : पेट्रोलियम मंत्रालय

- **2001 में शुरू किया गया था एथेनॉल मिलाने का पायलट प्रोग्राम**
- **2006 तक कई राज्यों में लागू कर दिया गया था 5 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण**

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि ई10 से ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) की तरफ बदलाव वर्षों के जांच, मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के साथ विचार-विमर्श और जमीनी परीक्षण का परिणाम है। साथ ही, कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की प्रक्रिया उनकी सरकार में नहीं, बल्कि पिछली सरकारों के दौरान हुई थी।

मंत्रालय ने बयान में कहा, '2001 में एथेनॉल मिलाने का एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया गया था, 2004 में इसकी औपचारिक घोषणा की गई थी और 2006 तक कई राज्यों में ई5 (5 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) लागू कर दिया गया था। इसके बाद, यूपीए सरकार के दौरान जनवरी 2013 में भारत के राजपत्र में इसकी पॉलिसी रूपरेखा को अधिसूचित किया गया था। ये सभी सार्वजनिक रिकॉर्ड में उपलब्ध है। भारत ने 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा था। दुर्भाग्य से, इस लक्ष्य के बावजूद, 2014 तक मिश्रण लगभग 1.5 प्रतिशत पर ही अटकी रही। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, 'ईंधन के तौर पर एथेनॉल पर किसी ने सवाल नहीं उठाया। यह बात दुनिया भर में पहले ही तय हो चुकी थी। असली चुनौती यह थी कि भारत कैसे पर्याप्त मात्रा में एथेनॉल का उत्पादन कर सकता है। उस समय, भारत लगभग पूरी तरह से गन्ने पर निर्भर था, जो एक मौसमी फसल है, और सालाना एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 400 करोड़ लीटर थी। उत्पादन का यह स्तर एथेनॉल मिश्रण के मामूली लक्ष्यों के लिए भी अपर्याप्त था। इस समस्या को समझते हुए, सरकार ने अपने काम करने के तरीके में बुनियादी बदलाव किया। मई 2018 में 'बायोफ्यूल पर राष्ट्रीय नीति' शुरू होने के साथ, सरकार ने बड़े पैमाने पर एथेनॉल बनाने के लिए जरूरी इकोसिस्टम बनाना शुरू किया। यह पूरी सरकार के लिए एक मिशन बन गया था। सरकारी बयान में कहा गया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, भारतीय रेलवे और कई अन्य मंत्रालयों ने मिलकर काम किया।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं। तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ■ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ■ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

बोस्टन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया

फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री, एम्बाप्पे और डेम्बेले के तूफान में उड़ा मोरक्को

● बोस्टन / (एजेंसी)

फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में शानदार तरीके से प्रवेश किया। बोस्टन स्टेडियम में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फ्रांस ने मोरक्को को एकतरफा अंदाज में 2-0 से हराया।

पहले हाफ में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनो ने पेनल्टी सेव कर लिया। इसका कोई खास असर नहीं पड़ा और फ्रांस ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। फ्रांस की तरफ से मैच का पहला गोल 60वें मिनट में हुआ। किलियन एम्बाप्पे ने यह गोल दागा। पेनल्टी एरिया के किनारे डेसिरे डौए से पास मिलने पर, फ्रांस के कप्तान ने शानदार स्किल दिखाया। मोरक्को के तीन खिलाड़ियों ने उन्हें घेर रखा था। इसके बावजूद एम्बाप्पे ने बिना ज्यादा बैक लिफ्ट के जबरदस्त ताकत के साथ डिफेंडर इस्सा डियोप के बगल से बॉल को गोल पोस्ट के अंदर डाल दिया। किलियन एम्बाब्वे के गोल के 6 मिनट बाद ही फ्रांस ने अपनी बढ़त को 2-0 कर लिया।

एम्बाप्पे विश्व कप में 20 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

27 साल के किलियन एम्बाप्पे के फीफा विश्व कप 2026 में 8 गोल हो गए हैं। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के भी 8 गोल हैं। दोनों ही खिलाड़ी गोल्डन बूट की रेस में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। एम्बाप्पे का तीसरा फीफा विश्व कप है। उनके 20 गोल हो चुके हैं। छठी बार टूर्नामेंट में खेल रहे मेसी 21 गोल के पास टॉप पर हैं। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने फीफा विश्व कप में अपने नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली है। मोरक्को के खिलाफ मुकाबले में उतरते ही वह विश्व कप इतिहास में 20 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

एम्बाप्पे ने दिग्गजों की बराबरी की

एम्बाप्पे अब फ्रांस की ओर से सबसे ज्यादा विश्व कप मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने 20 मैचों के साथ ह्यूगो लोरिस की बराबरी कर ली है, जबकि एंटोनी ग्रीजमैन, ओलिवियर गिरौद और राफेल वरान को पीछे छोड़ दिया है। विश्व कप में सबसे ज्यादा 30 मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल लियोनेल मेसी के नाम दर्ज है। फीफा विश्व कप 2026 में अपना आठवां गोल करने के साथ एम्बाप्पे ने विश्व कप में कुल 20 गोल पूरे कर लिए।

टी20 में भारतीय टीम के हार की इंग्लैंड दौरे के बाद होगी समीक्षा

भारत -इंग्लैंड के बीच 5वां टी20 मुकाबला आज शाम 7 बजे से

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आयरलैंड दौरे के बाद भारतीय पुरुष टीम का इंग्लैंड में भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टीम की लगातार हार की समीक्षा कर सकता है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे के खत्म होने के बाद बीसीसीआई भारतीय मेंस टी20 टीम के प्रदर्शन को रिव्यू करेगा। गुरुवार को चौथे टी20 में मिली हार के साथ ही भारत ने पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज गंवाई। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम को लगातार दूसरी टी20 सीरीज गंवानी पड़ी है। इससे पहले, आयरलैंड के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और टीम दो मैचों की सीरीज में एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी थी।

टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवाने का खतरा

भारत को अब शनिवार को साउथम्प्टन के रोज बाउल में खेले जाने वाले पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। यदि टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी गंवा सकती है। इसके बाद भारत 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के फैसलों का असर दौरे से पहले टीम पर दिखाई देगा या नहीं।

इंग्लैंड टीमः फिलिप सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम करन, विल जैक्स, जोफ्रा आर्चर, लियाम डॉसन, आदिल राशिद, जोश टंग, सोनी बेकर, रेहान अहमद, जॉर्डन कॉक्स, साकिब महमूद, ल्यूक वुड।

भारतीय टीमः अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, सूर्यांश शेडगे।

देर रात पार्टी नहीं कर सकेंगे इंग्लैंड के खिलाड़ी

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बनाए सख्त नियम, लगाया नाइट कर्फ्यू

● लंदन / (एजेंसी)

पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के संन्यास और हालिया विवादों के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने खिलाड़ियों के लिए नए नियम लागू करने का फैसला किया है।

ग्लैंड क्रिकेट टीम में अब खिलाड़ियों की शराब और देर रात तक की पार्टी पर सख्ती होने वाली है यानी कि नाइट कर्फ्यू लगा दिया जाएगा। इसका का उद्देश्य खिलाड़ियों की फिटनेस, रिकवरी और टीम कल्चर को बेहतर बनाना है, ताकि भविष्य में इंग्लिश क्रिकेट किसी भी तरह के ऑफ-फील्ड विवाद से बच सके। आने वाले समय में इंग्लैंड के सभी केंद्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों को इन नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

नए नियमों के तहत अब इंग्लैंड की हर घरेलू सीरीज और विदेशी दौरों के दौरान आधी रात (12 बजे) का कर्फ्यू लागू रहेगा। कोई भी खिलाड़ी सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे की हालत में दिखाई नहीं दे सकता। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर शराब से जुड़ा कोई भी कंटेंट पोस्ट करने की अनुमति नहीं होगी।

बेन स्टोक्स विवाद के बाद फैसला

यह फैसला उस विवाद के बाद लिया गया, जब बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन देर रात एक नाइट क्लब में हुए घटनाक्रम के कारण जांच के दायरे में आए थे। इसके बाद ईसीबी ने खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर अपनी नीति और अधिक सख्त करने का निर्णय लिया। ईसीबी के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की का मानना है कि इंग्लैंड टीम की पेशेवर छवि बनाए रखने और भविष्य में ऐसे विवादों से बचने के लिए ऑफ-फील्ड अनुशासन को पहले से ज्यादा मजबूत करना जरूरी है।

मुक्केबाजी में भारत के छह पदक पक्के

जकार्ता, आरएनएन। भारत के छह अंडर-23 पुरुष मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में पहुंचाकर कम से कम छह पदक पक्के कर लिए। विश्वनाथ (50 किग्रा) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सऊदी अरब के इब्राहिम अलजोहानी को 5-0 से हराया। गंगा (55 किग्रा) ने भी वियतनाम के क्वांग लोक ट्रान को 5-0 से शिकस्त दी। वंशज ने 65 किग्रा वर्ग में असिलखान को 4-1 से हराया जबकि 70 किग्रा वर्ग में हितेश ने इंडोनेशिया के रेडियानश्याह को पहले ही राउंड में पराजित कर शानदार जीत दर्ज की।

लॉर्ड्स टेस्ट में 285 रन पर सिमटी भारतीय टीम

स्मृति, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति ने लगाया अर्धशतक

● लंदन / (एजेंसी)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप के बाद अब नई शुरुआत कर चुकी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स स्टेडियम में एक मात्र टेस्ट खेल रही है। इस टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा के अर्धशतकों की मदद से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को 285 रन बनाये । पहले दिन का खेल समाप्त होने पर इंग्लैंड एक विकेट पर 21 रन पर था । माइया बूचियेर 17 और हीथर नाइट एक रन बनाकर क्रीज पर हैं । क्रांति गौड़ ने सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट (दो) को पवेलियन भेजा । इंग्लैंड अभी 264 रन से पीछे है । भारत के लिये दीप्ति (57), हरमनप्रीत (58) और मंधाना (83) ने उपयोगी पारियां खेली । शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया पहले सात ओवर के भीतर ही आउट हो गए थे जिससे भारत का स्कोर दो विकेट पर 37 रन था ।इसके बाद मंधाना ने जेमिमा रौड्रिग्स (38 गेंद में 35 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिये 64 रन जोड़े । इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एस्सेलेस्टोन को रौड्रिग्स ने दो छक्के लगाये । वह तेज गेंदबाज इस्सी वोंग की गेंद पर बोल्ड हो गई।

स्मृति मंधाना के 300 मैच पूरे

महज 29 साल की उम्र में इस जादुई आंकड़े को छूकर वह क्रिकेट इतिहास में 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा महिला खिलाड़ी बन गई हैं। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो मंधाना वर्ल्ड क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली 12वीं महिला क्रिकेटर हैं।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स में विनोद सिंह ने जीता कांस्य

5000 मीटर दौड़ में किया शानदार प्रदर्शन

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के प्रतिभाशाली धावक विनोद सिंह ने चीन के ओरदोस में आयोजित प्रथम एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:23.67 मिनट का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया। चैंपियनशिप के 5000 मीटर फाइनल में एशिया के सर्वश्रेष्ठ युवा धावकों के बीच हुई कड़ी प्रतिस्पर्धा में विनोद सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विनोद सिंह को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।

ज्वेरेव व सिनर के बीच होगी खिताबी जंग

विंबलडन: ज्वेरेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के करीब

● नई दिल्ली (एजेंसी)

जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने विंबलडन में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के अभियान का अंत कर दिया और फाइनल में पहुंचे। वहीं नंबर वन खिलाड़ी यानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में जगह बनाई। ज्वेरेव ने पुरुष एकल सेमीफाइनल में फेरी को 7-6(0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ज्वेरेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब से सिर्फ एक कदम दूर हैं। पिछले महीने उन्होंने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था।

ज्वेरेव के नाम बड़ी उपलब्धि

ज्वेरेव ओपन एरा में पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के बाद अगले ही ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एंडी मरे और दानिल मेदवेदेव ने हासिल की थी। अगर वह रविवार को फाइनल जीतते हैं तो एक ही सीजन में रोलां गैरो-विंबलडन डबल पूरा करने वाले ओपन एरा के सिर्फ सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे। खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव का सामना मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर से होगा।

सचिन, गिल व लारा ने देखा मैच

सेंटर कोर्ट के रॉयल बॉक्स में भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और फुटबॉलर वर्जिल वान डाइक समेत कई खेल सितारे मौजूद रहे। विंबलडन ने सचिन का स्वागत करते हुए उन्हें क्रिकेट रॉयल्टी बताया।

विंबलडन 2026 के सेंटर कोर्ट पर खेले गए एक बेहद रोमांचक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 1 यानिक सिनर ने महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस करारी शिकस्त के साथ ही सर्बिया के दिग्गज जोकोविच का इतिहास रचने और अपना 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का सपना एक बार फिर चकनाचूर हो गया। सिनर ने पूरे मैच के दौरान जोकोविच पर अपना दबदबा बनाए रखा और उन्हें वापसी का कोई मौका नहीं दिया।मैच के नतीजों पर नजर डालें तो यानिक सिनर ने खेल के तीनों सेटों में एक जैसी लय बरकरार रखी और जोकोविच को संभलने का अवसर नहीं दिया। सिनर ने यह मुकाबला लगातार 6-4, 6-4, 6-4 के स्कोर से अपने नाम किया।

हॉकी में महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर जताई चिंता

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लाकड़ा ने महिला खिलाड़ियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न, धमकी और प्रताड़ना के मामलों में खेल मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोषियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जबकि शिकायत करने वालों को डराया-धमकाया और बदनाम किया जा रहा है। हालांकि, हॉकी इंडिया और हॉकी झारखंड के अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। असुंता ने खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, (आओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के अधिकारियों इस बावत पत्र लिखा है।

लीग मैच चेन्नई में 12 दिसंबर को खेला जाएगा बिग बैश लीग का ओपनिंग मैच

भारत में बीबीएल के मैच का लुत्फ उठा सकेंगे दर्शक

● चेन्नई / (एजेंसी)

भारत में क्रिकेट प्रेमियों के बीच आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग काफी लोकप्रिय है। आईपीएल में लगाए गए चौके छक्के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हैं। अब भारतीय दर्शकों को आईपीएल की तर्ज पर ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल-16) के मैच का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। चेन्नई का एम.ए. चिदंबरम (चेपॉक) स्टेडियम बीबीएल-16 के ओपनिंग मैच की मेजबानी करेगा। यह पहला मौका है, जब भारत किसी विदेशी क्रिकेट लीग का मैच होस्ट करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे दिन यह ऐलान किया है। प्रधानमंत्री मोदी 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पहुंचे। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ, पूर्व महिला क्रिकेटर लीसा स्टाल्कर भी मौजूद रहे।

सबसे बड़े बाजार में पहुंची बीबीएल

बिग बैश लीग के इतिहास में पहली बार कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने और लीग को वैश्विक पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है। ऑस्ट्रेलिया में इसका सीधा प्रसारण चैनल सेवन, 7प्लस, कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट पर होगा, जबकि भारत में जियोस्टार इसका प्रसारण करेगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए 191 सदस्यीय दल को मिली मंजूरी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

खेल मंत्रालय ने 23 जुलाई से स्कॉटलैंड के ग्लासगो में शुरू होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए 191 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दे दी है।

इस दल में 126 खिलाड़ी और 51 टीम अधिकारी शामिल हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी समिति (ईसी) के निर्वाचित सदस्य, यदि टीम अधिकारियों की सूची में शामिल हैं, तो उनके विदेश दौरे का खर्च सरकार नहीं उठाएगी। मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रतियोगिता से लौटने के 30 दिनों के भीतर भारतीय दल को अपने प्रदर्शन की विस्तृत रिपोर्ट और प्रतियोगिता की एक्शन तस्वीरें भी मंत्रालय को सौंपनी होंगी।

खिलाड़ियों में 78 पुरुष और 48 महिलाएं

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
370 = 0	277 = 6
123 = 6	144 = 9
शुभांक	
दिन	रात
790 = 6	350 = 8
239 = 4	380 = 1
भाग्यांक	
2 3	7 9

www.kalyangame.com

सनी देओल की 'बंटवारा 1947' के टीजर पर बॉबी देओल ने दी प्रतिक्रिया

सनी देओल की नई फिल्म 'बंटवारा 1947' का टीजर रिलीज हो गया है। फैंस इस टीजर को काफी पसंद कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का नाम 'लाहौर 1947' रखा गया था। यह फिल्म 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं अब सनी के छोटे भाई और अभिनेता बॉबी देओल ने टीजर को लेकर अपनी राय पेश की है।

बॉबी देओल ने बरसाया प्यार

'बंटवारा 1947' के टीजर को देखने के बाद सनी देओल के छोटे भाई बॉबी देओल ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आप सबसे अच्छे हैं, भैया।' बॉबी ने आगे लिखा, 'मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' इसके साथ ही बॉबी ने 'बंटवारा 1947' की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

किस पर आधारित है फिल्म 'बंटवारा 1947'

सनी देओल की यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई' पर बनी है, जो 1947 भारत-पाकिस्तान विभाजन के दर्द की कहानी दिखाती है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जावेद अख्तर ने गाने लिखे हैं। 'बंटवारा 1947' में सनी देओल ने सिकंदर मिर्जा का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी नजर आएंगे।

बॉबी देओल की फिल्म 'अल्फा' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की इस एक्शन फिल्म में बॉबी के साथ आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें अनिल कपूर भी हैं और ऋतिक रोशन का कैमियो है।

पापा नवाजुद्दीन के साथ थिएटर डेब्यू करेंगी शोरा, 25 साल बाद फिर मंच पर लौटेंगे अभिनेता

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। अभिनय उनकी रगों में दौड़ता है। फिल्मों के अलावा उन्होंने थिएटर में भी खूब शानदार काम किया है। अभिनय सफर की शुरुआत ही उन्होंने थिएटर से की थी। एक बार फिर करीब 25 साल बाद वे इस दुनिया में लौट रहे हैं। नाटक होगा 'नकाब'। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि इसी नाटक के जरिए उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी थिएटर डेब्यू करने जा रही हैं।

ढाई दशक बाद स्टेज पर दिखेंगे नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने नाटक का पोस्टर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करके खुद यह जानकारी दी है। करीब 25 साल बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने नाटक 'नकाब' के साथ एक बार फिर थिएटर में वापसी कर रहे हैं। यह सिर्फ उनकी वापसी नहीं, बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने जैसा एक भावुक पल भी है। इसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दकी बेहद उत्साहित हैं।

मैं अपने घर लौट आया हूं

थिएटर में कमबैक पर नवाजुद्दीन ने कहा, 'थिएटर ही वह जगह है, जहां मैंने खुद को एक अभिनेता के रूप में पहचाना। यहीं मैंने ईमानदारी, धैर्य और सिर्फ अपनी कला के भरोसे दर्शकों के सामने खड़े होने का साहस सीखा। करीब 25 साल बाद फिर से मंच पर लौटना ऐसा लग रहा है, जैसे मैं अपने घर लौट आया हूं। इस वापसी को और भी खास बनाती है एक और बात।

बेटी के डेब्यू पर जताई खुशी

इस नाटक में नवाजुद्दीन पहली बार अपनी बेटी के साथ मंच साझा करेंगे। नाटक से शोरा के अभिनय सफर की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा, 'इस सफर को और भी भावुक बनाने वाली बात यह है कि मैं अपनी बेटी के साथ मंच साझा करूंगा। एक पिता के तौर पर इससे बड़ा गर्व का पल मेरे लिए नहीं हो सकता। मुझे बस उम्मीद है कि दर्शक उसे भी वही प्यार और अपनापन देंगे, जो उन्होंने हमेशा मुझे दिया है'। 'नकाब' एक ऐसी कहानी है, जिसमें सस्पेंस, ह्यूमर और कई सरप्राइज हैं।

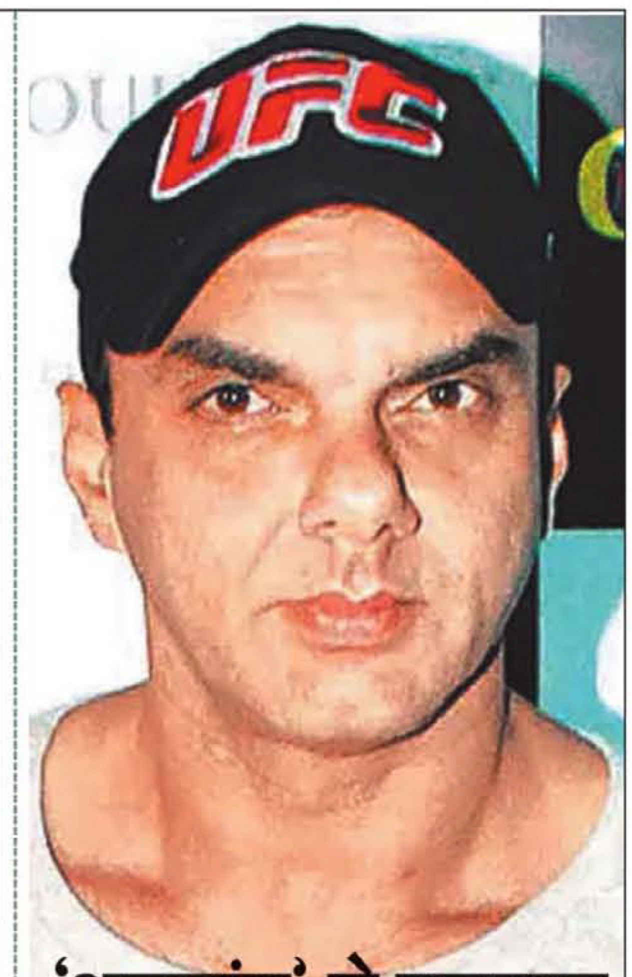

'अलायंस' से सलमान के भाई वाली छवि बदलेंगे सोहेल खान?

सोहेल खान शो 'अलायंस' में शिरकत करने वाले हैं। वे बतौर वाइल्ड कार्ड प्रतिभागी एंट्री लेंगे। सोहेल बतौर जज कई रियलिटी शो में नजर आ चुके हैं। मगर, यह पहला मौका है, जब वे बतौर प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। सोहेल खान ने शो को लेकर हाल ही में बात करते हुए कहा कि यहां बड़े भाई सलमान खान का स्टारडम काम नहीं आएगा। इस शो में रणनीति के साथ रहना होगा।

शो 'अलायंस' को कुणाल खेमू होस्ट कर रहे हैं। यहां कई सेलिब्रिटीज बतौर प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इस शो में जाने से पहले सोहेल खान का इरादा साफ है कि वे यहां अपनी खुद की पहचान बनाने की कोशिश करेंगे। सलमान खान के भाई वाली इमेज को वे बदल देना चाहते हैं। कुछ दिनों पहले सोहेल की 'अलायंस' से जुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब खुद सोहेल खान ने इसकी पुष्टि कर दी है।

बदलेंगे 'सलमान के भाई की छवि'

सोहेल खान बतौर डायरेक्टर और एक्टर फिल्मों में काम कर चुके हैं। हालांकि, बतौर अभिनेता उन्हें खास पहचान नहीं मिली। आज भी परिचय देते वक्त लोग उन्हें 'सलमान खान का भाई' कहते हैं। हाल ही में 'अलायंस' में जाने से पहले सोहेल ने मीडिया से बातचीत की और शो में अपनी योजना के बारे में बात की। साथ ही अपनी पहचान पर बात की। एचटी के मुताबिक, सोहेल का कहना है कि वे शो के जरिए अपनी सलमान के भाई वाली छवि बदलना चाहेंगे। सोहेल खान का कहना है, 'शो में कोई परिवार का नाम नहीं है, जिस पर मैं टिक सकूं। इंडस्ट्री की भी कोई जोर-जबर्दस्ती नहीं है। यहां सिर्फ मैं हूं। मेरा दिमाग है और मैं गेम कैसे खेलता हूं? यह है। अगर लोग जाते वक्त मेरा वह पक्ष देखें जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा, तो यह बहुत अच्छा होगा। सिर्फ इसी वजह से मैं इस शो में आया हूं। सोहेल खान ने 'अलायंस' और 'बिग बॉस' के बीच के फर्क पर भी बात की। उन्होंने कहा कि 'बिग बॉस' काफी एनर्जी है।

एक्ट्रेस माही विज ने लिया सोशल मीडिया से ब्रेक

अभिनेत्री माही विज तलाक के बाद पूरी तरह से अपने काम में डूबी हुई हैं। इसके साथ ही वह एक सिंगल मदर की जिम्मेदारियां को भी निभा रही हैं। इसी बीच मंगलवार को एक्ट्रेस ने एक इंस्टा स्टोरी शेयर कर अपने फैंस को चौंकाया। इस स्टोरी में माही ने बताया कि वह सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हैं। हालांकि, कुछ वक्त बाद उन्होंने इसे डिलीट कर दिया। माही ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं, पता नहीं कब तक, जब तक काम से जुड़ी कोई चीज पोस्ट न करनी हो। दुआ में याद रखना।'

तलाक के बाद बेटी संग रहती हैं एक्ट्रेस

माही विज और उनके पति जय भानुशाली की शादी 15 साल तक चली। मगर आपसी मदभेदों के कारण कपल ने इस साल की शुरुआत में ही तलाक की घोषणा की थी। कपल के तीन बच्चे थे। तारा (उनकी बायोलॉजिकल बेटी), खुशी और राजवीर (जिन्हें उन्होंने गोद लिया है)। फिलहाल माही अपनी बेटी तारा संग कई बार सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर करती देखी जाती थीं।

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। पीटीआई से बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

बड़े पर्दे पर पहली बार बनेगी अली फजल और ऋचा चड्ढा की जोड़ी, ऐसी होगी फिल्म की कहानी

बॉलीवुड कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा पहली बार किसी फिल्म में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। यानी पहली बार ये रियल लाइफ जोड़ी बड़े पर्दे पर भी एक जोड़ी के रूप में नजर आएगी। हालांकि, दोनों ने पहले 'फुकरे' फ्रैंचाइजी में साथ काम किया है, लेकिन स्क्रीन पर उन्हें कभी एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट नहीं किया गया। एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा की आने वाली फिल्म में कपल साथ नजर आएगा। कपल ने इसको लेकर अपना उत्साह भी जाहिर किया है।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

अली और ऋचा आखिरकार पहली बार एक साथ एक बिना नाम वाली सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रहे हैं, जिसे सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस बना रहे है। इनके अलावा फिल्म में कुमुद मिश्रा भी नजर आएंगे। दिल्ली की भागदौड़ भरी जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा डायरेक्ट करेंगे। शशि वर्मा पहले 'बाला', 'गुंजन सक्सेना' और 'कटहल' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और उन्होंने 'AK47' और 'मुर्गा ट्रॉफी' जैसी फिल्में लिखी हैं। हालांकि, अभी फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। फिल्म की शूटिंग 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू होगी और इसे अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं

इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी कॉमेडी ईमानदार किरदारों और असल लगने वाली स्थितियों से बनती है। जैसे ही मैंने यह स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता चल गया कि इसमें कुछ खास है। ऋचा के साथ स्क्रीन पर एक बिल्कुल नया तालमेल आजमाना भी रोमांचक है। मैं सच में उस चीज का इंतजार कर रहा हूं जो हम साथ मिलकर बनाएंगे। शशि सर के काम को मैं हमेशा से फॉलो करता रहा हूं और उनके साथ काम करना मेरी हमेशा से इच्छा रही है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का यह भी एक बड़ा कारण है।'

कहानी की सादगी ने मुझे खींचा

वहीं ऋचा चड्ढा ने फिल्म को लेकर अपना उत्साह जताते हुए कहा, 'इस कहानी की सादगी और असलियत ने मुझे अपनी ओर खींचा। यह मजेदार और इमोशनल है और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी है, साथ ही इसमें समाज पर एक बेहतरीन टिप्पणी भी है। अली और मैंने पहले भी साथ काम किया है, लेकिन कभी ऐसा नहीं किया। मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक हमें एक बिल्कुल नए अंदाज में साथ देखेंगे। इस कहानी ने मुझे दिल्ली के यमुना पार में बिताए अपने स्कूल के दिनों की याद दिला दी। अली एक बेहतरीन एक्टर हैं। हमें पहले कभी इस तरह साथ काम करने का मौका नहीं मिला। इससे पहले हमने 'फुकरे' में काम किया था, जहां हमारे किरदार अलग-अलग थे।'

मोहम्मद जोशी के लिए टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630